



बाढ़-बारिश से भारी नुकसान, हर पीड़ित का दर्द हमारा दर्द: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश भर में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस प्राकृतिक आपदा के दौरान हुई जान-माल और बुनियादी ढाँचे के नुकसान पर दुख व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इस मानसून के मौसम में, प्राकृतिक आपदाएँ देश की परीक्षा ले रही हैं। पिछले कुछ हफ्तों में हमने बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही देखी है। घर तबाह हो गए, खेत जलमग्न हो गए, पूरे परिवार बर्बाद हो गए। पानी के लगातार बढ़ते प्रवाह ने पुल-सड़कें बहा दीं और लोगों की जान खतरे में पड़ गई। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुखी किया है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनका दर्द हम सभी साझा करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भूस्खलन और बाढ़ फटने के दौरान हुई तबाही के बीच बचाव अभियान के दौरान



एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संकट के समय में स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रयासों की भी सराहना की।

उन्होंने कहा, जहाँ भी संकट आया, हमारे एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के जवानों और अन्य सुरक्षा बलों ने लोगों

को बचाने के लिए दिन-रात काम किया। जवानों ने तकनीक की भी मदद ली। थर्मल कैमरों, लाइव डिटेक्टरों, खोजी कुत्तों और ड्रोन निगरानी की मदद से राहत कार्यों में तेजी लाने की कोशिश की गई। इस दौरान हेलीकॉप्टरों से राहत सामग्री पहुँचाई गई और घायलों को एयरलिफ्ट किया गया। आपदा के

समय सशस्त्र बल मदद के लिए आगे आए। स्थानीय लोगों, समाजसेवियों, डॉक्टरों, प्रशासन - सभी ने संकट की इस घड़ी में हर संभव प्रयास किया। मैं ऐसे हर नागरिक का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस कठिन समय में मानवता को प्राथमिकता दी।

मानसून के प्रकोप और तबाही का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर की दो बड़ी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिन पर बहुत से लोग ध्यान नहीं दे पाए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुलवामा में पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच हुआ, जिसने लोगों को आकर्षित किया।

उन्होंने कहा, बाढ़ और बारिश से हुई इस तबाही के बीच, जम्मू-कश्मीर ने दो बहुत ही विशेष उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं। इन पर चर्चादा लोगों का ध्यान नहीं गया। लेकिन आपको उन उपलब्धियों के बारे में जानकर खुशी होगी। पुलवामा के एक स्टेडियम में

रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच यहीं खेला गया।

पहले ये नामुर्कान था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। ये मैच 'रॉयल प्रीमियर लीग' का हिस्सा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग टीमों हिस्सा ले रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 125वें एपिसोड में राष्ट्र को संबोधित किया।

मन की बात के 124वें संस्करण में, प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष अन्वेषण, विज्ञान, खेल और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत की बढ़ती उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की हाल ही में हुई स्वदेश वापसी का उल्लेख किया और इसे देश के लिए गौरव का एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

फर्जी दलों पर सख्ती के लिए कोर्ट में याचिका दायर EC को नियम बनाने के लिए निर्देश देने की मांग

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दायर की गई है, जिसमें चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए ठोस नियम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि देश में फर्जी और बेनामी राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। ये दल न सिर्फ अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को अपने पदाधिकारी बना रहे हैं, बल्कि भारी चंदा लेकर अपराधियों को संगठन में जगह दे रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और पारदर्शिता पर सीधा हमला हो रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि कई ऐसे दल अस्तित्व में आ गए हैं, जिन्होंने अपहरणकर्ताओं, ड्रग्स तस्करों, मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों और राज्य स्तरीय पदाधिकारी बना दिया है। इन दलों ने बड़ी धनराशि लेकर अपराधियों को संरक्षण दिया और उन्हें राजनीतिक वैधता प्रदान की। याचिका में यह भी आरोप है कि अलगाववादी समूहों ने भी राजनीतिक दल बनाकर चंदा इकट्ठा करने का रास्ता अपना लिया है और कई नेताओं को पुलिस सुरक्षा



तक मिल चुकी है।

काले धन को सफेद बनाने का मामला

याचिका में हाल ही में मीडिया में आई एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि आयकर विभाग ने एक फर्जी राजनीतिक दल पकड़ा, जो काले धन को सफेद करने का काम कर रहा था। इस दल पर आरोप है कि वह 20 प्रतिशत कमीशन लेकर काले धन को वैध चंदों में बदल रहा था। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय का कहना है कि राजनीतिक दल सार्वजनिक कार्य करते हैं, इसलिए उनमें पारदर्शिता और जवाबदेही होना बेहद जरूरी है।

याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी सार्वजनिक जीवन में

ईमानदारी और पारदर्शिता लाने के लिए कई सुधार कर चुका है। अब राजनीतिक दलों पर भी सख्त नियम लागू करना जरूरी है। अगर चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के लिए ठोस नियम बनाए, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देगा। इसमें कहा गया है कि बिना नियमन के राजनीतिक दल लोकतंत्र को कमजोर करते हैं और जनता के भरोसे को तोड़ते हैं।

कानून आयोग को भी सुझाव

याचिकाकर्ता ने वैकल्पिक रूप से मांग की है कि कानून आयोग को विकसित लोकतांत्रिक देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन कर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया जाए। रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन की व्यवस्था हो, ताकि राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को कम किया जा सके। याचिका में कहा गया है कि अगर राजनीतिक दल संविधान की सीमा में रहकर काम करेंगे, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा।

पंजाब में बाढ़ का कहर जारी! व्यास समेत नदियाँ उफान पर, २४ की मौत, लाखों एकड़ फसल तबाह

नई दिल्ली। पंजाब में रविवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई, क्योंकि कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है और घग्घर व व्यास नदियाँ उफान पर हैं। पंजाब में बाढ़ से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के नौ जिलों में रावी, व्यास और सतलुज नदियों के उफान के कारण 1,018 गाँव प्रभावित हुए हैं और 1.51 लाख एकड़ (61,273 हेक्टेयर) में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। फसलों के



नुकसान और पशुओं की मौत के कारण राज्य को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। जिला मुख्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फाजिल्का में 16,632

हेक्टेयर, फिरोजपुर में 10,806 हेक्टेयर, कपूरथला में 11,620 हेक्टेयर, पठानकोट में 7,000 हेक्टेयर, तरनतारन में 9,928 हेक्टेयर और होशियारपुर में 5,287 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। पंजाब में कपूरथला जिला प्रशासन ने सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र के लोगों से लगातार बारिश के बाद व्यास नदी में जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर रविवार को अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमित शाह ने अहमदाबाद में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। अहमदाबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद के घाटलोडिया वार्ड में 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह कार्यक्रम अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) की तरफ से आयुष्मान वन में आयोजित किया गया था।

इस पहल का मकसद है कि पर्यावरण की सुरक्षा और हरियाली दोनों को बढ़ावा मिल सके। इस दौरान केंद्रीय



गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह अभियान न केवल पर्यावरण को बचाने

का काम करेगा बल्कि लोगों के दिलों को अपनी मां से जोड़ते हुए एक

भावनात्मक संदेश भी देगा। अमित शाह ने आगे कहा कि यह पहल समाज को प्रकृति और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने वाली है।

इसी दिन गृह मंत्री अमित शाह ने गोला वार्ड में बने शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया। लगभग 3.84 करोड़ रुपये की लागत से बने इस केंद्र में लोगों को सभी बुनियादी और विशेष स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेंगी। अहमदाबाद नगर निगम के अनुसार, इस तरह यह स्वास्थ्य केंद्र गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित

होगा। खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को अब अपने इलाके में ही विशेषज्ञ डॉक्टर और जरूरी इलाज आसानी से मिल सकेगा।

इसमें आयुष्मान भारत योजना (पीएमजेएवाई) कार्ड, अभा कार्ड जैसी योजनाओं से जुड़ी सेवाएँ, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और जननी सुरक्षा योजना जैसी मातृ कल्याण योजनाओं का लाभ, महिलाओं की बीमारियों का इलाज व परामर्श, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए विशेष सुविधा शामिल हैं।

घुमंतू जातियों के लिए गठित होगा बोर्ड: सीएम योगी



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विमुक्त व घुमंतू जातियों के कल्याणार्थ आयोजित विमुक्त जाति दिवस समारोह में शिरकत करते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड की गठन करेगी। साथ ही इन जातियों के लोगों को कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने विमुक्त जाति दिवस पर सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियाँ देश की वह वीर जातियाँ हैं जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने इनके पराक्रम से भयभीत होकर वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्रिब्यूनल एक्ट लागू किया और इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को इससे मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि विमुक्त जाति



दिवस उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब इन समुदायों को आजादी के मायने समझ आए। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बने 11 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार पूरी ईमानदारी से विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। प्रदेश में शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएँ लागू की गई हैं। उन्होंने बताया कि 9 जनपदों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, दो आवासीय

आश्रम पद्धति विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जबकि 101 आवासीय विद्यालय पहले से चल रहे हैं। यहां छात्रों को रहने, खाने से लेकर यूनिफॉर्म तक की व्यवस्था सरकार कर रही है। इसके अलावा 264 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रवासों में विमुक्त जातियों के बच्चों के लिए भी विशेष सुविधा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने वनटॉगिया समाज का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने उन्हें राजस्व गांव का दर्जा

दिया, मताधिकार का अधिकार दिया, उनके लिए घर, स्कूल और अस्पताल बनवाए। इसी तरह मुसहर, कोल, थारू, गौड़, चेरो और सहरिया जैसी जातियों के लिए भी योजनाएं संचालित की गईं। कुम्हार, निषाद और राजभर समाज को भी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कहा कि अब विमुक्त और घुमंतू जातियों को भी जमीन के पट्टे और मतदान की सुविधा दी जाएगी।

इस संबंध में उन्होंने समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से मंच से ही कहा कि घुमंतू जातियों के लिए बोर्ड का गठन किया जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जैसे शामली और वनटॉगिया का मॉडल बना, उसी तरह घुमंतू जातियों के लिए भी योजनाएँ लागू होंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश की पुलिस भर्ती में घुमंतू जातियों से जुड़े कई युवक-युवतियों का चयन हुआ है, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार बिना भेदभाव के सभी वर्गों को समान अवसर दे रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, मंत्री असीम अरुण, नरेन्द्र कश्यप, संजीव गौड़, वैजनाथ रावत, बेचन राम, जीत सिंह खरवार, विश्वनाथ प्रसाद, वाईपी सिंह, भगवान नाथ, डॉ. शोभा चौधरी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और मुफ्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से

“ इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा। ”
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए					
संव्यंत्र की क्षमता	केंद्र सरकार का अनुदान (₹.)	राज्य सरकार का अनुदान (₹.)	कुल अनुमन्य अनुदान (₹.)	संव्यंत्र की अनुमानित लागत (₹.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (₹.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाएं।

@ **7%*** Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333 www.easysolarsolutions.com

पुलिस बल की सुरक्षा और कार्यक्षमता को बढ़ाने को उठाया गया अभूतपूर्व कदम

पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सेल्फ डिफेंस का दिया प्रशिक्षण



यू.पी. ऑब्ज़र्वर



गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस बल को सशक्त एवं उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक अनोखी पहल की गई है। इस पहल में कवच की टीम के द्वारा पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष) को सेल्फ डिफेंस में प्रशिक्षित करने हेतु दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन 200 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी एवं डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि पुलिस आयुक्त द्वारा पुलिस बल की सुरक्षा और कार्यक्षमता को बढ़ाने हेतु एक अभूतपूर्व कदम उठाया गया है। जिसमें पुलिस बल की



कार्यक्षमता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल शुरू की गई है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस आयुक्त/अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में प्रियाश्री पाल, सहायक पुलिस आयुक्त, वेवसिटी, द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस पहल के तहत पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष) को सेल्फ डिफेंस का दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के पहले दिन गुरुवार को कुल

200 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा।

गुरुवार को महिला पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों एवं शुक्रवार को पुरुष अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। प्रशिक्षण में पूनम मिश्रा अपर पुलिस उपायुक्त नन्दग्राम, सलोनी अग्रवाल सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध, उपसना पांडेय सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा/ हिण्डन एयरपोर्ट सुरक्षा तथा विभिन्न थानों पर नियुक्त महिला पुलिस

कई राज्यों में अधैसैनिक बलों को प्रशिक्षण दे चुकी है संस्था कवच

कवच टैक्टिकल कॉम्बैट सिस्टम इंडिया के प्रमुख संस्थानों से से एक है जो हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और स्ट्रीट सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग फॉर पुलिस के लिए विख्यात है। कवच ने 10 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ भारतीय सेना इकाइयों, कमांडो प्रशिक्षण केंद्रों, सीआईएसएफ, उत्तराखंड पुलिस, हरियाणा पुलिस, रेलवे संचालन कमांडो के साथ अपनी प्रशिक्षण विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है।

समाज में सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश

प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्था कवच के संस्थापक/मुख्य प्रशिक्षक वरुण रावत ने इस दौरान बताया कि वहीं में प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने के उद्देश्य के साथ कवच वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने और नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए जागरुकता, आत्मविश्वास और व्यावहारिक कौशल दिलाने में अग्रणी रहा है। एडिशनल सीपी ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस बल को आत्मरक्षा में कुशल बनाने के उद्देश्य से कमिश्नरेट गाजियाबाद में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर जारी रहेगा। यह कदम न केवल पुलिस कर्मियों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि समाज में सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी पहुंचाता है।

अधिकारी व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों को आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं को मजबूत बनाना तथा जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकों, आत्मरक्षा के कौशल, और तनाव मुक्त

माहौल में कार्य करने जैसे विषय शामिल किए गए हैं। यह प्रशिक्षण पुलिस बल की कार्यकुशलता को बढ़ाने के साथ-साथ जनता के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और प्रभावी ढंग से निभाने में सहायक होगा। प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्था कवच के संस्थापक/मुख्य प्रशिक्षक वरुण रावत एवं दिव्या पंवार

सह-संस्थापक/लीड इंस्ट्रक्टर तथा टीम के अन्य 5 सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागियों ने भी कार्यक्रम की सराहना की। प्रतिभागियों के अनुसार इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और उन्हें दैनिक जीवन में सतर्क रहने के तरीकों की जानकारी मिली है।

गाजियाबाद में भिक्षावृत्ति रेस्क्यू अभियान, दो मासूमों को भीख की जंजीरों से दिलाई आजादी



गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद में चल रहे बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत शनिवार को जिला प्रशासन और पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। सड़क पर भीख मांगने को मजबूर दो मासूम बच्चों को संयुक्त टीम ने रेस्क्यू कर उनकी नई जिंदगी की राह तैयार कर दी। प्रशासन का कहना है कि अब इन बच्चों को सुरक्षित माहौल के साथ-साथ शिक्षा और पुनर्वास की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इस कार्रवाई को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के आदेश और मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल के निर्देशन में अंजाम दिया गया। जिला प्रवेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर ने बताया कि जनपद में भिक्षावृत्ति के खत्मे के लिए लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इसी क्रम में गठित संयुक्त टीम ने जिला बाल संरक्षण इकाई के संरक्षण अधिकारी जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में शहर के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाया। अभियान के दौरान दो बच्चे सड़क किनारे भीख मांगते हुए पाए गए।

मुख्यधारा से जुड़कर एक सम्मानजनक जीवन जी सकें। अभियान में कई विभागों ने मिलकर सक्रिय भूमिका निभाई। संरक्षण अधिकारी जितेंद्र कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी हंसराज, ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाना से उपनिरीक्षक कुण्णपाल, महिला हेड कांस्टेबल सुमन, कांस्टेबल नेहा, हेड कांस्टेबल मुनिंद्र मोहन शर्मा, और चाइल्ड हेल्थलाइन-1098 से सुपरवाइजर संजय कुमार सहित पूरी टीम ने मेहनत कर बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया।

जिला प्रशासन ने की अपील

रेस्क्यू अभियान के बाद जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल श्रम, भीख मांगने या बच्चों के शोषण जैसी गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत चाइल्ड हेल्थलाइन नंबर-1098 या नजदीकी थाने को सूचना दें। प्रशासन का कहना है कि समाज की मदद के बिना इस कुप्रथा का अंत संभव नहीं है।

बदलती तस्वीर की झलक

रेस्क्यू के बाद बच्चों के चेहरे पर झलकती मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि प्रशासन का यह प्रयास उनके जीवन को नई दिशा देने वाला साबित होगा। अब यह बच्चे न केवल भीख मांगने की मजबूरी से मुक्त हो चुके हैं बल्कि उन्हें शिक्षा, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य की राह पर आगे बढ़ाने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

कमिश्नरेट गाजियाबाद के थानों का लगातार हो रहा कायाकल्प

कौशांबी थाने में भी बनकर तैयार हुआ आगंतुक व विजिटर कक्ष



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ की कार्यप्रणाली में सुधार के अलावा थानों में आने वाले आमजन की सुविधा का ध्यान रखने के भी सख्त निर्देश दिये थे। थानों में आने वाले फरियादियों को बैठने की व्यवस्था करने के अलावा पीने के लिए पानी व मीठा उपलब्ध कराने के साथ ही फरियादियों के साथ आने वाले बच्चों के लिए टॉफी रखने की व्यवस्था के भी निर्देश दिये थे।

इंदिरापुरम थाने में पूर्व में ही आगंतुक व विजिटर कक्ष भी बनकर तैयार हो चुका है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी कर्मचारी पहले किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल न रहा हो।

इसी क्रम में सभी थानों में आने वाले लोगों को बैठने के लिए आगंतुक कक्ष के अलावा विजिटर रूप तैयार करने के भी निर्देश दिये गए थे। सीपी के निर्देश पर सभी तैयारियों को चंद रोज में ही अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि कौशांबी थाने में भी आगंतुक कक्ष तैयार हो चुका है और वहां फरियाद लेकर आने वाले लोगों का बैठना भी शुरू हो चुका है। इंदिरापुरम थाने में पूर्व में ही आगंतुक कक्ष व विजिटर रूम बनकर तैयार हो चुके हैं।

इसी क्रम में सभी थानों में आने वाले लोगों को बैठने के लिए आगंतुक कक्ष के अलावा विजिटर रूप तैयार करने के भी निर्देश दिये गए थे। सीपी के निर्देश पर सभी तैयारियों को चंद रोज में ही अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि कौशांबी थाने में भी आगंतुक कक्ष तैयार हो चुका है और वहां फरियाद लेकर आने वाले लोगों का बैठना भी शुरू हो चुका है। इंदिरापुरम थाने में पूर्व में ही आगंतुक कक्ष व विजिटर रूम बनकर तैयार हो चुके हैं।

पुलिस आयुक्त ने हाल ही में किया था निर्माण कार्य की निरीक्षण

हाल ही में पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ ने इंदिरापुरम व कौशांबी थाने का निरीक्षण किया था और वहां हो रहे निर्माण कार्य का जायजा भी लिया था। कौशांबी थाने में भी देर रात निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य का सुआयना का जरूरी दिशा-निर्देश दिये थे। पुलिस आयुक्त के अनुसार सभी थानों में आने वाले आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

निगम का एक और प्रोजेक्ट स्वीकृत 92 करोड़ से शहर में बनेगा भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर के विकास को लेकर रफार से कार्य किए जा रहे हैं। शासन से अनेकों प्रोजेक्ट भी जनहित में लाए गए हैं। इसी क्रम में गाजियाबाद के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को शासन से स्वीकृति मिल गई है, 92 करोड़ 22 लाख 49 हजार से राज नगर एक्सटेंशन में भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। कार्यदाई संस्था सी एंड डी एस उत्तर प्रदेश जल निगम है, परियोजना के क्रियान्वयन के लिए नगर आयुक्त की अध्यक्षता में समिति का गठन करते हुए खले विशेषज्ञ को भी समिति का सदस्य बनाया जाएगा।

जिनकी देखरेख में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य संपादित कराया जाएगा। गाजियाबाद में खिलाड़ियों को भी विशेष लाभ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बनने से मिलेगा।

● स्थानीय लोगों के लिए खेल और सामाजिक खेलों का मंच होगा निगम का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : महापौर

● पर्यावरण अनुकूल मॉडल बनेगा गाजियाबाद का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : नगर आयुक्त

शासन को महापौर सुनीता दयाल द्वारा धन्यवाद किया गया तथा अधिकारियों को निविदा की समस्त कार्यवाही पूर्ण करते हुए तेजी से कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देश दिए गए। महापौर द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद में भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने से शहर के खिलाड़ी का भविष्य उज्जवल बनेगा। खेल जगत की अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हुए गाजियाबाद का नाम रोशन करने के लिए खिलाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लाभ उठाएंगे। राज नगर एक्सटेंशन जो कि शहर के बीचों बीच है। 48000 स्क्वायर फीट परिया में स्पोर्ट्स कंप्लेक्स बनाया जाएगा, आउटडोर तथा इनडोर सभी गेम की सुविधा और व्यवस्था होगी, क्रिकेट पिच, फिट इंडिया जॉन, किड्स प्ले एरिया, टेनिस लॉन, वॉली बॉल, वॉर्किंग एंड जॉगिंग की व्यवस्था हेतु निर्माण कराया जाएगा।

बैडमिंटन बास्केटबॉल जिम्नार्स्टिक जूडो कबड्डी शूटिंग सॉफ्टबॉल स्विमिंग ताइक्वांडो वॉलीबॉल योगा व अन्य 30ईंडोर गेम

पर्यावरण अनुकूल मॉडल के क्रम में हरित तकनीक और संसाधनों का उपयोग करते हुए स्पोर्ट्स कंप्लेक्स बनाया जाएगा। सभी वर्ग के लिए सुलभ और समावेशी सुविधा भी होगी। स्पोर्ट्स कंप्लेक्स गाजियाबाद शहर वासियों के लिए बहुत ही सुविधा जनक बनेगा। जिसमें पार्किंग व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा गुणवत्ता पूर्वक कार्य होंगे एक भव्य बिल्डिंग का भी निर्माण स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। जिसमें बैकवेट एंड पार्टी लॉन भी बनाया जाएगा जिसका एरिया लगभग 10333 स्क्वायर फीट रखा जाएगा। ओपन कैफेटेरिया जिसमें 60 सीटिंग कैपेसिटी रहेगी, गैस्ट रूम बोर्ड गेम रूम योग रूम डॉक्टर क्लीनिक, ग्राउंड पिच, फिट इंडिया जॉन, किड्स प्ले एरिया, टेनिस लॉन, वॉली बॉल, वॉर्किंग एंड जॉगिंग की व्यवस्था हेतु निर्माण कराया जाएगा।

कैलाश मानसरोवर भवन प्राधिकरण को हैंड ओवर किए जाने की प्रक्रिया हुई तेज

प्राधिकरण स्तर से गठित समिति ने कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन की इन्वेन्टरी बनाने का कार्य किया आरंभ



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के दिशा निर्देशन में इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन को उत्तर प्रदेश सरकार निगम से प्राधिकरण को हैंड ओवर करने की दिशा में प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस कडी में प्राधिकरण स्तर से गठित समिति के द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन की समस्त इन्वेन्ट्री भली- भाँति निरीक्षण कर सूचीबद्ध किए जाने का कार्य आरंभ कर दिया गया। समिति को बकायदा प्रत्येक कक्ष की विंडिंग/फोटोग्राफी भी किए जाने के आदेश दिए गए हैं। समिति में प्राधिकरण की तरफ से अभियंत्रण

जोन-6 और विद्युत अनुभाग से अधिशासी अभियंता को इन्वेन्टरी के कार्य को पूरा करने के लिए अधिकृत किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की तरफ से 28 अगस्त 2025 को एक पत्र के माध्यम से हस्तांतरण प्राप्त किए जाने के लिए अधिकारी नामित किए जाने के लिए कहा गया था। हाल ही में मुख्यमंत्री के गाजियाबाद आगमन के दौरान इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन गाजियाबाद विकास प्राधिकरण स्तर से संचालित किए जाने के आदेश दिए गए थे। प्राधिकरण के द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन को किस तरीके से संचालित किया जाए इसके लिए रूप रेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

धीमी गति से चल रहा रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार का कार्य विधायक संजीव शर्मा ने रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को लिखा पत्र, कार्य में तेजी लाने का अनुरोध



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सदर विधायक संजीव शर्मा ने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के निर्माण में बरती जा रही लापरवाहियों पर चिंता जताते हुए एक पत्र रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को लिखा है। पत्र में कहा गया है कि निर्माण कार्य की जो अवधि तय की गई थी उसके बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य सुस्त गति से किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के निर्माण में सुस्त गति से किए जा रहे कार्यों के चलते अब लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सदर विधायक संजीव शर्मा ने रेल मंत्री को लिखे पत्र में रेलवे स्टेशन के निर्माण में तेज गति लाने का अनुरोध किया है साथ ही निर्माण की कार्य प्रणाली की समीक्षा एवं निरीक्षण करने की मांग की है।

सदर विधायक संजीव शर्मा ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को लिखे पत्र में कहा है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में स्थित गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर पिछले काफी समय से पुनः निर्माण / विकास कार्य चल रहा है। किंतु इसकी गति अत्यंत धीमी है, जिसके कारण प्रतिदिन हजारों यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। जैसा की गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर नोएडा, हापुड़ व अन्य शहरों से हजारों की संख्या में प्रतिदिन यात्री आकर अपनी ट्रेन का सफर तय करते हैं। समाचार पत्रों के माध्यम से कार्य की धीमी गति के विषय में समाचार पत्र खबरें प्रकाशित की जा रही है।

धीमी गति होने के कारण कार्य का समयबद्ध नहीं होना अमृत भारत योजना के तहत चल रहा गाजियाबाद रेलवे स्टेशन का विकास कार्य



सदर विधायक ने निरीक्षण किए जाने की उठाई मांग

सदर विधायक संजीव शर्मा ने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय तत्काल समीक्षा कराये जाने की मांग की है। एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए, जो स्टेशन की सफाई एवं निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा पर निगरानी रखे। जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा लापरवाही पर दंडात्मक कार्यवाही हो। समीक्षा समिति में स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाना अत्यंत आवश्यक है। सदर विधायक ने अनुरोध किया है कि उक्त कार्यों की शीघ्र प्रगति के लिए समीक्षा व निरीक्षण कराया जाना आवश्यक है एवं कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने का कृपा करें, जिससे यात्रियों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त 2023 को किया था।

जिसमें प्रोजेक्ट समाप्त करने की समयावधि 25 अगस्त 2025 तय की गयी थी जिसका मात्र 25% ही कार्य पूर्ण किया गया है। बजट का सही तरह से उपयोग नहीं होना गाजियाबाद रेलवे स्टेशन प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 365 करोड़ रखी गई थी जिसमें से 65 करोड़ ही मात्र खर्च किये गए हैं। शहर साइड में केवल एक बिल्डिंग और विजयनगर साइड में अधिकारियों के कार्यालय का काम चल रहा है। इनमें भी 50% ही कार्य पूरा हो पाया है। सम्बंधित अधिकारियों की जवाबदेही का अभाव है मात्र प्लेटफार्म संख्या छह पर ही कार्य शुरू हो पाया है बाकी

प्लेटफार्मों पर कार्य अभी तक शुरू भी नहीं किया गया है।

शेड हटा दिए गए हैं जिससे बारिश धूप निकलने पर यात्रियों का बुरा हाल होता है एवं प्लेटफार्म तक जाने में अत्यंत असुविधा हो रही है। गाजियाबाद विजयनगर की तरफ से गाजियाबाद एवं नोएडा आदि कई जनपद के यात्री आते हैं लेकिन स्टेशन तक पहुंचने में असुविधा आ रही है।

गंदगी बढ़व से बुरा हाल स्टेशन परिसर में सभी शौचालयों दयनीय स्थिति में हैं एवं कुड़ा कचरा भी साफ नहीं किया जा रहा है। बरसात में स्टेशन 3 से 4 फीट तक जलभराव की समस्या बन जाती है। जिससे यात्रियों को गंदे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है।

गाजियाबाद

प्रत्येक जन का विकास करते हुए उन्हें समृद्ध बनाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध: सुनीता दयाल

महापौर सुनीता दयाल ने दिये नवनियुक्त 15 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत जनपद गाजियाबाद की नवनियुक्त 15 मुख्य सेविकाओं को महापौर सुनीता दयाल द्वारा दुर्गावति देवी सभागार विकास भवन में नियुक्ति पत्र वितरण किये गये। कार्यक्रम के शुभारम्भ में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल द्वारा महापौर सुनीता दयाल को तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोक भवन, लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम के दौरान महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम में आम जन से जुड़ने का एक बेहतर माध्यम है। इससे हम जन-जन



की समस्याओं और आवश्यकताओं से रू-ब-रू होते हैं और उस पर सरकार कार्य करती है। प्रत्येक जन का विकास और हर जन को समृद्ध बनाने हेतु सरकार संकल्पबद्ध है और यह हमारी सरकार का उद्देश्य एवं प्राथमिकता भी है। मुख्यमंत्री की आशा है कि जिस प्रकार पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ आप लोगों का चयन हुआ है।



पिंकी रानी, अनुराधा पाल, प्रीति तिवारी, अनु त्यागी, दिव्या, हेम बिंदु भाटिया, सुषमा चौधरी, अनुराधा पाल, वर्षा तेवतिया, सोनिया, नीतू रानी, गुलेशमा सैफी, सुधा रानी, नीलम रानी और शिवांगी को नियुक्ति पत्र वितरित किये। जनपद गाजियाबाद में रॉकेट लॉन्गि संस्था द्वारा आंगनबाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण पूर्ण होने पर

ईसीई में उच्च प्रदर्शन करने वाली जनपद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है। महापौर सुनीता दयाल जी द्वारा सैम से सामान्य में आये बच्चों को पोषण थाली देकर प्रोत्साहित किया गया है। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधिकारियों की बैठक

2 अक्टूबर को सभी छात्रों को प्राप्त हो सके छात्रवृत्ति: नरेन्द्र कश्यप

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जल निगम गेस्ट हाउस में नरेन्द्र कश्यप राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के मण्डलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक के दौरान राज्यमंत्री ने निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति योजना के बारे में छात्रों को अधिक से अधिक जागरूक करें और आवेदन करावें और समयान्तर्गत में आवेदन पूर्ण कराने की सभी कार्यवाही को पूर्ण करावें, जिससे 02 अक्टूबर को सभी छात्रों को छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके। राज्यमंत्री ने मण्डल के सभी जिलों को शादी अनुदान योजना (वर्ष-2025-26) में प्राप्त लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह



शादी अनुदान योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली योजनाओं में से एक हैं, किसी भी गरीब, कमजोर व असहाय व्यक्ति को बच्चों के विवाह कराने सम्बंधित चिन्ता ना हो। इसके लिए लोगों में योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करावें, जिससे बड़ी संख्या में लोग योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। प्राप्त लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।



राज्यमंत्री ने "ओ" लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना में विभागों द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्राप्त कर निर्देशित किया कि अधिक से अधिक छात्रों से आवेदन कराते हुए बच्चों की शिक्षा एवं कम्प्यूटर कोर्स में उत्कृष्ट सुधार लायें। अब समय डिजिटल युग का है, इसलिए हर छात्र को कम्प्यूटर के ज्ञान में उत्तम होना अनिवार्य है। तभी आज के यही बच्चे भविष्य में भारत देश को विकसित

बनाने व बनाये रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। सम्बंधित अधिकारी समय-समय पर सेन्ट्रों का स्थलीय निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। राज्यमंत्री ने कहा कि जिन जनपदों में छात्रावास नहीं है वे छात्रावास बनवाने के लिए प्रस्ताव लायें, जिससे छात्रों की शिक्षा ग्रहण करने के लिए अधिक धन खर्च ना करना पड़े, उन्हें छात्रावास में रहने की सुविधा मुहैया हो सके। मंत्री नरेंद्र कश्यप द्वारा पेंशन प्राप्त कर रहे

कुल 55341 दिव्यांगजनों को समयान्तर्गत पेंशन का लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिये गये, जनपदों में सहायक उपकरण के लिए विन्हित दिव्यांगजनों को जैम पोर्टल के माध्यम से उपकरण क्रय करते हुए समयान्तर्गत वितरण कराये जाने के निर्देश दिये गये साथ ही शादी पुरस्कार व कॉक्विलर इम्प्लाट सर्जरी योजनान्तर्गत लक्ष्य पूर्ति किये जाने के लिए उक्त योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराये जाने के साथ ही दुकान संचालन योजनान्तर्गत समयान्तर्गत लक्ष्य पूर्ति किये जाने के निर्देश दिये जाने के साथ ही बैठक समाप्त की गयी। समीक्षा बैठक में उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग मेरठ मण्डल मेरठ व जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गाजियाबाद, बागपत, मेरठ, बुलन्दशहर, गौतमबुद्धनगर व हापुड़ के जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने अनेक विकास कार्यों का उद्घाटन किया विधायक संजीव शर्मा ने कहा, शहर के विकास की यात्रा निरंतर जारी रहेगी



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विधायक संजीव शर्मा द्वारा शहर के विकास के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को कई निर्माण कार्य का शुभारम्भ शुरू हुए। ये विकास कार्य वार्ड 27 डुंडाहेड़ा शांतिनगर में ऋषिपाल के मकान से लक्ष्मण, गंगाराम से कोमल, ईश्वर से देवदत्त, तिलक से अतरसिंह, अतरसिंह से धर्मी, लोकेश से वीरेंद्र, संजय से कुमर पाल, भूदेव से सोनू व गौरीशंकर से प्रियंका के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग टाइल्स के निर्माण कार्य



कराये जा रहे हैं जिनका अनुमानित मूल्य 23.58 लाख का है वार्ड 27

डुंडाहेड़ा में विधायक निधि से प्रमोद त्यागी के मकान से अंकुर त्यागी के मकान तक सी सी रोड के निर्माण कार्य शुभारम्भ किया।

जिसका अनुमानित मूल्य 2.45 लाख है विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि इनके अलावा भी वार्ड में अनेक विकास कार्य अति शीघ्र ही चालू होने वाले हैं विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी और क्षेत्रवासियों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वे दिन-रात प्रयासरत हैं ताकि किसी को कोई परेशानी न हों।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ एक सितंबर से प्रदेश भर में चलाएगा स्वदेशी जनजागरण अभियान: विनीत शारदा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की गाजियाबाद महानगर की बैठक वीरवार को मदन स्वीट्स में आयोजित हुई। जिसमें व्यापार प्रकोष्ठ गाजियाबाद के संयोजक और सहसंयोजकों के साथ जिले के वरिष्ठ व्यापारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आहवान पर 1 सितंबर से पूरे प्रदेश में स्वदेश जन जागरण अभियान शुरू करने का संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक विनीत शारदा ने कहा कि 1 सितंबर से 10 सितंबर तक हर जिले के हर प्रमुख बाजार में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा साथ ही स्वदेशी अपनाने एवं विदेशी सामानों का बहिष्कार करने के लिए पेंपलेट वितरित किए जाएंगे। इसके बाद 11 सितंबर से 25 सितंबर तक 15 दिनों को चौपाल



लगाई जाएगी। इसमें व्यापारियों को ज्यादा से ज्यादा देश में निर्मित सामान बेचने और लोगों से ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की जाएगी।

विनीत शारदा ने कहा कि व्यापारिक गोष्ठियों के आयोजन के साथ साथ 1 अक्टूबर से 1 दिसम्बर तक हर जिले में बड़े व्यापारिक सम्मेलन होंगे जिनमें देश एवं प्रदेश के मंत्री एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने आजादी

से पहले जो स्वदेशी अपनाने का आंदोलन शुरू किया आज आजादी के 78 वर्ष बाद मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की धरती से जनता को स्वदेशी जनजागरण कर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आह्वाहन किया। स्वदेश भारत की आत्मा है। जब भारत की जनता देश में निर्मित कपड़े, जूते, घड़ी, मोबाइल फोन, लैप टॉप आदि ही इस्तेमाल करेंगी तो इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और जल्द ही भारत विश्व की तीसरी



अर्थव्यवस्था बन जाएगी। पीएम मोदी द्वारा जीएसटी के स्लेब को सरल कर केवल 18 और 5 प्रतिशत किया जाने के प्रस्ताव से व्यापारी वर्ग बहुत उत्साहित है। जीएसटी की दरे कम होने से देश का स्वदेशी बाजार में रौनक चार गुनी भर जाएगी भारत के लघु एवं कुटीर उद्योग को संजीवनी प्राप्त होगी। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित स्वदेशी जन जागरण अभियान कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, व्यापार प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता और

प्रदेश के सहसंयोजक सुनील राम, व्यापारी नेता एवं समाज सेवी देवेंद्र हितकारी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में व्यापार प्रकोष्ठ महानगर के संयोजक अनुज मिश्रल, सहसंयोजक अनिल अग्रवाल सांवरिया, सहसंयोजक विपिन गोयल, मंडल संयोजक योगेश शर्मा, रघुवीर सिंह सोनी, प्रवीण शर्मा, कुंज बिहारी, नवीन गौतम, राजेश गुप्ता, संदीप यादव, प्रमोद गर्ग एवं अन्य व्यापारी उपस्थित रहे। आयोजन का संचालन अनिल अग्रवाल सांवरिया ने किया।

प्रतिमा विसर्जन के साथ ही चार दिवसीय श्री दूधेश्वर गणपति लड्डू महोत्सव का हुआ समापन

प्रतिमा विसर्जन से पहले श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य व अध्यक्षता में शहर में भव्य शोभा-यात्रा निकाली गई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर में जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत मंडल के अध्यक्ष एवं दूधेश्वरनाथ पीठाधीश्वर श्री महंत नारायण गिरी महाराज के पावन सानिध्य एवं अध्यक्षता में चल रहे चार दिवसीय श्री दूधेश्वर गणपति लड्डू महोत्सव का शनिवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के साथ समापन हो गया। विसर्जन से पूर्व मंदिर से शोभा-यात्रा निकाली गई जिसका पूरे शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई।

शोभा-यात्रा से पूर्व भगवान गणेश की प्रतिमा को महाराजश्री ने विधि-विधान के साथ भव्य रथ में विराजमान कराया और उनकी पूजा-अर्चना की, पूजा-अर्चना आचार्य लक्ष्मीकांत पाद्री, प्रबंधक अमित गोस्वामी, प्राचार्य तोवरराज उपाध्याय, वरिष्ठ आचार्य नित्यानंद, आचार्य रोहित त्रिपाठी, आचार्य अजय दाधीव, आचार्य किशन, आचार्य अनिल पाद्री व श्री दूधेश्वर वेद विद्यालय के विद्यार्थियों ने कराई श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि गणेश उत्सव 10 दिन तक चलता है और 11 वें दिन प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। इसका कारण यह है कि वेदव्यास जी ने जब भगवान गणेश से महाभारत ग्रंथ लिखने की प्रार्थना की तो तो गणपति जी लगातार 10 दिनों तक बिना रुके महाभारत लिखते रहें। 10 दिनों बाद जग वेदव्यास जी ने देखा तो गणेश जी का तापमान बहुत बढ़ा हुआ था, तो उनकी विनती पर भगवान गणेश ने जल में डुबकी लगाई थी, तभी से 10 दिन तक गणेश उत्सव मनाकर 11 वें दिन प्रतिमा विसर्जन की परम्परा चली आ रही है।

मीडिया प्रभारी एस आर सुथार ने बताया कि आज शोभा-यात्रा



महाराजश्री के पावन सानिध्य व अध्यक्षता में गाजियाबाद के विधायक संजीव शर्मा जी, देवी मंदिर के महन्त गिरिशानन्द गिरि जी महाराज, भैरव मन्दिर के महन्त कन्हैया गिरि जी महाराज, बाबा लाल मन्दिर नसरत पुरा के महन्त पंडित महेश वशिष्ठ जी, शिव मन्दिर पटेल नगर के महन्त विजय गिरि जी, श्री रमेश गिरि जी उपस्थिति रही दूधेश्वर मन्दिर से ढोल-ताशे व बैंड-बाजों के साथ शुरू हुई और गडशाला रोड, दिल्ली गेट, जीटी रोड, दिल्ली गेट, डासना गेट, रमते राम रोड, गंज, घंटाघर, बजरिया, कीर्तन वाली गली, बजरिया, घंटाघर, चौपाला मंदिर, सिहानी गेट होते हुए मीनामल की धर्मशाला पहुंची। शोभा-यात्रा का प्रथम स्वागत द्वारका पुरी दिल्ली गेट के प्राचीन देवी मंदिर पर मंदिर के महंत गिरिशानंद गिरि ने किया। दिल्ली गेट में शिवकुमार, अमित जंदल व बड़ी संख्या में भक्तों ने स्वागत किया। गंज में नरेश प्रधान व उनके साथियों समेत

बड़ी संख्या में भक्तों ने शोभा-यात्रा का स्वागत कर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। चौपाला के प्राचीन हनुमान मंदिर पर ईश्वर पंडित, अनुपम पंडित, राजीव शर्मा आदि भक्तों ने शोभा-यात्रा का स्वागत किया। मीनामल की धर्मशाला से भगवान गणेश की प्रतिमा मोरया के जयकारों के साथ विदाई दी गई तो सभी भक्त भाव-विभोर हो गए। चार दिवसीय श्री दूधेश्वर गणपति लड्डू महोत्सव में दूधेश्वर विकास समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गर्ग, उपाध्यक्ष अनुज शिवकुमार, अमित जंदल व बड़ी संख्या में भक्तों ने स्वागत किया। गंज में नरेश प्रधान व उनके साथियों समेत



सू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

क्या ट्रंप की सख्ती उलटी पड़ेगी?

रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका ने भारत पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लागू कर दिया है। इसी के साथ उसकी ओर से भारत पर लगाया गया कुल शुल्क अब पचास फीसद हो गया है। निरसंदेह यह भारत पर दबाव बढ़ाने की रणनीति है। इससे भारतीय निर्यातकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। माना जा रहा है कि इससे भारत का निर्यात कारोबार प्रभावित हो सकता है, लेकिन इसकी सीमा क्या होगी, इसका आकलन करना अभी मुश्किल है। भारत की ओर से पहले ही यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। जाहिर है, भारत के इस रुख का आधार भी संभावित चुनौतियों से निपटने की रणनीतिक सोच पर आधारित होगा। मगर, इस सब के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड को भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि इसका असर उनके देश में भी होगा और यह सच्चाई वहां की जनता से ज्यादा दिन तक छिपाई नहीं जा सकती है। अमेरिका ने पहले यह कह कर भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाया था कि उसके उत्पादों पर भी यहां अधिक शुल्क वसूला जाता है। इसके बाद अमेरिका की ओर से पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क का एलान कर दिया गया, जो बुधवार से प्रभावी हो गया। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि कुल पचास फीसद शुल्क से कपड़ा, चमड़ा, झींगा और रब एंव आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात पर असर पड़ सकता है। यहां इस बात पर गौर करना जरूरी है कि बीते वित्त वर्ष में भारत के 437.42 अरब डालर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का लगभग बीस फीसद हिस्सा था। तब दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डालर रहा था, जिसमें 86.5 अरब डालर निर्यात और 45.3 अरब डालर आयात था। इन सब चिंताओं के बीच रेंटिंग एजंसी क्रिसिल ने अपनी ताजा रपट में कहा है कि सरकार भले ही निवेश को बढ़ावा दे रही है, लेकिन निजी निगमित पूंजीगत व्यय धीमा बना हुआ है। ऐसे में पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क की वजह से निवेशकों की धारणा और ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौतों की शुल्क बाधाओं को कम कर और पूर्वानुमानित व्यापार नीतियों को स्थापित करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में साफ है कि सरकार को शुल्क की चुनौती से निपटने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाने होंगे। विशेषज्ञों की मानें तो निर्यातकों को वित्तीय प्रोत्साहन देने, प्रतिस्पर्धी क्षमता मजबूत करने और घरेलू खपत बढ़ाने के उपायों के साथ–साथ व्यापार के वैकल्पिक विदेशी बाजारों की तलाश तेज करनी होगी। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस दिशा में सरकारी प्रयास शुरू हो गए हैं और वस्त्र निर्यात के लिए चालीस देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई गई है। इस पहल के तहत रूस, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली, स्पेन, नीदरलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। इसके अलावा वाणिज्य मंत्रालय नए विदेशी बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए जल्द ही रसायन, रब एवं आभूषण सहित विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों के साथ बैठक करने पर विचार कर रहा है। उम्मीद है कि सरकार की ये कोशिशें रंग लाएंगी और शुल्क का दबाव बना कर मनचाहे परिणाम हासिल करने के अमेरिका के इरादे दम तोड़ते नजर आएंगे।

यूपी में हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं सड़क सुरक्षा के नए अभियान से क्या बदल पाएंगे हालात?

उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ‘ हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं अभियान चलाने का फैसला स्वगमयोग्य है। हालांकि दोपहिया वाहनों की सवारी करने वाले लोगों को खुद ही इसे लेकर संजीदा होने की जरूरत है, लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि इस अभियान से उनके भीतर जिम्मेदारी की भावना आएगी। एक सितंबर से शुरू हो रहे इस अभियान को विधिसम्मत होने के साथ जनहितैषी भी कहा जा सकता है। गौरतलब है कि भारत में करीब तीस फीसद हादसों में दुपहिया चालक ही शिकार होते हैं। इसमें मत की सबसे बड़ा कारण हादसे के समय हेलमेट नहीं पहनना माना जाता है। सवाल है कि यातायात नियमों के मुताबिक हेलमेट अनिवार्य होने पर भी अगर लोग नियमों का पालन नहीं करते, तो इसका नुकसान किसे उठाना पड़ता है। हैरत की बात है कि जुमाने के प्रावधान के बावजूद लोग बिना हेलमेट पहने वाहन चलाते दिखते हैं। उन्हें न तो नियम–कायदे की परवाह होती है और न ही अपने प्राणों की। जहां सड़क पर यातायात पुलिस की जांव डीली होती है, वहां दुपहिया पर पीछे बैठे लोग अमूमन हेलमेट नहीं पहनते। जबकि हादसे की स्थिति में जोखिम का स्तर उनके लिए भी समान होता है। गौरतलब कि पिछले वर्ष भी यह अभियान चलाया गया था, लेकिन सच यह है कि लोगों के बीच हेलमेट पहन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर पर्याप्त संवेदनशीलता अभी विकसित नहीं हुई है। कुछ समय पहले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने बताया था कि पिछले वर्ष हुए हादसों में तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट नहीं पहनने की वजह से हो गई। यानी देश में हर दिन औसतन अस्सी लोगों की जान सिर्फ हेलमेट नहीं पहनने के कारण चली गई। सवाल है कि इस संबंध में कानून होने और उससे भी ज्यादा अपने हित में होने के बावजूद लोग हेलमेट की उपयोगिता की अनदेखी क्यों करते हैं। किसी हादसे की स्थिति में शरीर के बाकी हिस्से में लगी चोट के मुकाबले सिर पर लगी चोट ज़िंदगी को जोखिम में डाल देती है। उपचार के बाद भी जीवन भर जटिलताएं बनी रह सकती हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर दोपहिया वाहन चलाते हुए हेलमेट पहना जाए तो मौत की आशंका को बहुत कम किया जा सकता है।

शक्तिशाली कौन
मेहराम चंदेला

जीवन में सबसे शक्तिशाली चीज हमारी सोच है जो किसी भी परिस्थिति को बदलने की क्षमता रखती है अपनी पीड़ाओं का समाधान आपको स्वयं ही दूढ़ना होगा क्योंकि आज के समय में किसी के दुखो को सुनने और समझने वाले व्यक्ति का मिलना अत्यंत दुर्लभ है जीवन में अंधेरे से सत डरो बल्कि अंधेरे में रखने वालों से डरो क्योंकि अंधेरे में रहने से कुछ नही होगा लेकिन यदि आप को कोई अंधेरे में रखता है तो समय आने पर आपका बहुत बड़ा नुकसान कर सकता है जिस प्रकार एक पेड़ की खूबसूरती फूल और पत्तो पर निर्भर करती है ठीक उसी प्रकार इंसान की खूबसूरती उसके विचार और व्यवहार पर निर्भर करती है हमारी सबसे बड़ी गलतियों में से एक ये भी है कि हम खुद को बेहतर बनाने की जगह खुद को बेहतर दिखाने में लगे हुए हैं शरीर में कोई सुंदरता नहीं होती अच्छे कर्म विचार वाणी व्यवहार संस्कार जिसके जीवन में यह सब है वही सुंदर सुंदर इंसान है…!

वेदवाणी

ईजानमिद् द्यौर्मूर्तावसुरी भूमिरिषि प्रभूपषिण । ईजानं देवावशिवनावभि सुनैरवर्धताम ।। (ऋग्वेद – 1०:132:1)
भावार्थ : यन्नशील के लिये द्युलोक के द्वार खुले हैं, यन्नशील के लिये ही यह भूमि वसुमती है। यन्नशील के ही प्राणों को मिलता है सुख, उसीका भाग्य अनुकूल, समृद्धिाँ उसीकी ।।
प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

विचार–विमर्श

क्या यात्रा के सहारे प्रधानमंत्री पद की मंजिल तय कर सकेंगे राहुल गांधी!

इन दिनों देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अधिक काँग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की चर्चा चहुँ ओर हो रही है। राहुल गांधी की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इस बार उन्होंने संपूर्ण विपक्ष को अपने पीछे खड़ा करने में कामयाबी हासिल कर ली है। शायद पिछले दस वर्षों में यह पहला मौका है जब तेजस्वी, स्टालिन, अखिलेश सरीखे



विश्व बंधु शास्त्री

कोशिश की। इस मुद्दे पर उन्होंने पूरी विपक्षी नेताओं की महफिल को लुट लिया। राहुल गांधी एक बार फिर से बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने पहुंच चुके हैं। 16 दिन, 23 जिले, 1300 किमी का सफ़र तय करके राहुल गांधी एक बार फिर देश की जनता का मूड भांपने या कि यूँ कहें कि मूड बदलने का प्रयास कर रहे हैं। राहुल को लोकसभा चुनाव के समय भी शुरू की गयी भारत जोड़ो यात्रा से अच्छा ख़ासा लाभ हुआ था और वह सीटों में परिवर्तित होते भी दिखा था। राहुल अपनी पिछली यात्राओं से उत्साहित कहेंगे ही इस बार वह बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं।

अगर बात करे सासाराम की तो राहुल की यह यात्रा



सासाराम से शुरू हो रही है। क्यों कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया था। सासाराम शाहबाद के क्षेत्र में आता है। यहाँ लोक सभा में एनडीए को भारी नुकसान हुआ था। यहाँ इंडिया गठबंधन का एक मजबूत वोट वोट भी है, राहुल गांधी की कोशिश है कि विधान सभा चुनाव में भी इस प्रदर्शन को दोहराया जाए।

यह यात्रा इंडिया ब्लॉक के तहत विपक्षी ताकतों की एकता प्रदर्शित करने और 2025 बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल बनाने की रणनीति का हिस्सा है। राहुल की यात्रा रोहतास (सासाराम) से शुरू करना कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुविचारित राजनीतिक और प्रतीकात्मक निर्णय है। यह कदम मतदाताओं के अधिकारों का मुद्दा उठाने, लोकतंत्र की रक्षा की बात करने, विपक्षी एकजुटता दिखाने और

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, श्वासान की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ.वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा.बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 33
गतांक से आगे

विश्वामित्र आश्रम में भारद्वाज ऋषि

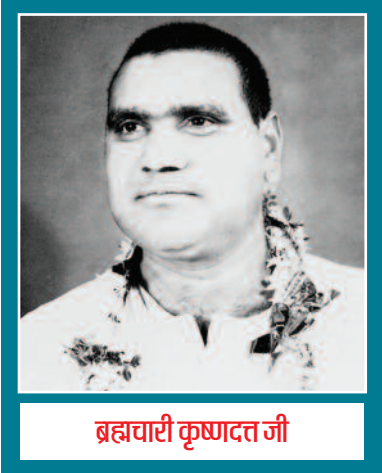
एक समय महर्षि विश्वामित्र और वशिष्ठ मुनि महाराज अपने आसन पर विद्यमान थे। कहीं से भ्रमण करते हुए महर्षि भारद्वाज अपने शिष्यों सहित उनके आश्रम में आ पहुँचे। महर्षि भारद्वाज ने महर्षि

विश्वामित्र तथा वशिष्ठ जी से कहा कि ‘‘आपने अस्त्रों-शस्त्रों की विद्या राम-लक्ष्मण तथा अन्य ब्रह्मचारियों को प्रदान की है,राम का इसमें कैसा क्रियाकलाप रहा है?’’ उन्होंने कहा, ‘‘राम तो पारायण हैं। लक्ष्मण भी पारायण हैं, क्योंकि वह अस्त्रों-शस्त्रों की प्रतिभा को जानते हैं। मैंने उन्हें एक सोमतिात नाम की रेखा का वर्णन कराया है,जो वेद के एक मन्त्र में आती है।

‘‘महाराज वशिष्ठ ने कहा कि ‘‘मैंने इस वेद-मन्त्र का अध्ययन कराया है।राम-लक्ष्मण ने उसको अच्छी प्रकार समझा है। इसका अध्ययन आपके विद्यालय में भी रहा है।किसी काल में उदालक गोत्र के शिकामकेतु मुनि के यहाँ भी इस रेखा का अध्ययन हुआ था।इस रेखा में यह विशेषता है कि एक परिक्रमा रूप में यह रेखा बद्ध हो जाये तो इस परिक्रमा के आन्तरिक जगत् में रहने वाला मानव तो सुरक्षित रहता है और बाह्य से जो दुरिता भाव से आता है, उसका विनाश हो जाता है, वह इस रेखा के पास आते ही भस्म हो जाता है।ऐसी सोमतिती रेखा का मैंने वर्णन कराया है। उसको लक्ष्मण बड़ी पारायणता से जान गया है।

शत्रुघ्न ने उसके ऊपर कोई विचार नहीं किया,उसका मन ही स्थिर नहीं रहा। भरत ने उस रेखा को कठिन जान कर त्याग दिया और भी ब्रह्मचारियों ने इसे अवहेलना युक्त कहा है। एक वर्णित नाम के ब्रह्मचारी ने इस रेखा को जानने का प्रयास किया है।वक्रणास्त्र, अग्न्यास्त्र और ब्रह्मास्त्र में राम बड़े पारायण हो गये हैं।’

भारद्वाज जी ने कहा ‘‘बहुत प्रिय। अब समय हो गया है, चार वर्षों तक राम और लक्ष्मण को ले



ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

जाओ, और इस रघुवंश का जहाँ तक राज्य हो, इसकी परिक्रमा को दृष्टिपात करो। कोई ऐसा प्राणी तो नहीं है जो राजा के राष्ट्र को घात पहुँचा रहा हो। तुम गुरु बनो,वे दोनों शिष्य की परम्परा से भ्रमण करें।’ विश्वामित्र जी ने कहा कि ‘‘प्रभु! जब मैं धनुर्याग के लिये राजा दशरथ के यहाँ पहुँचा,तो उन्होंने अपने में मोह प्रकट किया था,राजा मोह करते हैं और इसका कारण कि बड़े.प्रयत्न से इन शिशुओं का जन्म हुआ है। उन्हें मोह आता है,यह मोह राष्ट्र के लिये प्रिय नहीं है।’

महर्षि वशिष्ठ जी बोले कि ‘‘वह तुम्हारी बातों स्वीकार तो कर लेते हैं।’ विश्वामित्र जी ने कहा कि ‘‘प्रभु! राजा मोह करते हैं, राजलक्ष्मियाँ भी मोह करती हैं,परन्तु राजा का मोह अधिक है। राजा के

लेकर जाएँ। रजानीति में अगर आप बदलाव चाहते हैं तो एक सकरात्मक नेरेटिव के साथ आपको आना होगा। 1971 में इंदिरा ने गरीबी हटाओ का नारा दिया, जेपी आंदोलन के दौर में जेपी ने भावी इतिहास हमारा है का नारा दिया, अच्छेदिन का नारा भी ऐसा है।ये सभी पॉजिटिव नेरेटिव थे। जबकि वोट चोरी पाजिटिव नेरेटिव नहीं लगता है।मेरा मानना है कि बदलाव के लिए पॉजिटिव नेरेटिव काम करता है।

लेकिन जितना एसआईआर पर शोर दिल्ली में क्या उतना शोर बिहार में कहीं दिखाई दे रहा है, ये देkhना होगा। आप यात्रा कर सकते हैं, लेकिन काँग्रेस की समस्या यह है कि काँग्रेस इस बात का मूल्यांकन नहीं कर पा रही है कि बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में उसका जनाधार क्यों खत्म हो गया। क्या चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाने से काँग्रेस पार्टी के वोटर वापस आ जाएँगे? जब जमीन पर मुद्दा ही नहीं उसे लेकर आप यात्रा कर रहे हैं। राहुल गांधी के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि वो विपक्ष के गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का दावेदार या यूँ कहें कि वो विपक्षी गठबंधन के निर्विवाद नेता बनने के लिए बेचैन दिखने लगे हैं।इस मुद्दे को राहुल गांधी इतनी जल्दी नहीं छोड़ने वाले हैं।राहुल गांधी जो ठान लेते हैं वो करके दिखाते हैं भले ही उसका उन्हें ही नुकसान क्यों न हो जाए।जिस तरह से 2019 के चुनाव में मतदाताओं ने चौकीदार चोर है के नारे को नकारा था, उसे देखकर लगता है कि वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा भी उनके खिलाफ जा सकता है। इसलिए राहुल को फूँक-फूँक कर कदम रखना होगा।

लेखक- वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वेंकटेश्वर में गणेशोत्सव पर भजन संध्या, शोभायात्रा व नृत्य नाटिका का मंचन

हजारों की संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं संस्थान प्रबन्धन ने ढोल नगाड़ों की थाप पर थिरकते हुए की विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा अर्चना



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित वेंकटेश्वर संस्थान में गणेश चतुर्थी के महापर्व पर आयोजित दस दिवसीय गणेशोत्सव-2025 के तीसरे दिन भजन संध्या, शोभायात्रा एवं नृत्य



कपिल खेकड़ा ने जीता भादो मेला दंगल

विश्व बंधु शास्त्री

खेकड़ा (बागपत)। कस्बे में आयोजित भादो मेला दंगल में बुधवार को हुए सबसे बड़े मुकाबले में कपिल खेकड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सागर पानीपत को हराकर जीत अपने नाम की। रोमांचक मुकाबलों में राहुल डगरपुर और लाला खेकड़ा ने भी बड़े दांव लगाकर अपनी-अपनी कुशितियों में जीत दर्ज की।

भादो मेला, कस्बे की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो आजादी से पहले से ही आयोजित होता आ रहा है। इस मेले में चौथ के दिन विशाल दौलत का आयोजन होता है। रामलीला मैदान में आयोजित इस दंगल का शुभारंभ नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सुरेंद्र धामा ने पहलवानों के हाथ मिलाकर किया। सबसे बड़े इनाम की कुश्ती में कपिल



खेकड़ा ने सागर पानीपत को हराया। वहीं, दूसरी कुश्ती में राहुल डगरपुर ने सुमित खड़कड़ी को मात दी। तीसरी बड़ी कुश्ती में लाला खेकड़ा ने दिल्ली के अक्षय पहलवान को परास्त कर जीत हासिल की।

दंगल में खलीफा सुरेंद्र खेकड़ा और बलबीर सांकरौद मौजूद रहे। संचालन आनंद यादव ने किया।

आयोजन में सतबीर यादव, जयसिंह यादव, राजेश यादव, राजेंद्र सभासद, सतेन्द्र यादव, धर्मवीर यादव, महक सिंह, शिवकुमार, साहब सिंह, जयप्रकाश सहित अन्य ने सहयोग दिया।

दंगल देखने के लिए क्षेत्रभर से हजारों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे और पहलवानों का हौसला बढ़ाया।

जिला कारागार डिस्पेंसरी का औचक निरीक्षण, लिए 11 दवाओं के नमूने

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देशन में मंगलवार को औषधी निरीक्षक मोहित कुमार ने जिला कारागार स्थित डिस्पेंसरी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दवाओं की उपलब्धता, रख-रखाव और वितरण व्यवस्था की बारीकी से जांच की गई।

जांच के दौरान पाया गया कि डिस्पेंसरी में सामान्य बीमारियों के उपचार से संबंधित आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। औषधी निरीक्षक ने मौके से 11 दवाओं के नमूने एकत्रित कर औषधी परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे। मोहित कुमार ने कारागार प्रशासन को निर्देश दिए कि एक्सपायरी डेट वाली दवाओं को



समय रहते नष्ट किया जाए और मरीजों को केवल चिकित्सक की पर्ची के अनुसार ही दवाएं दी जायें। निरीक्षण के दौरान दवाओं की स्टॉक रजिस्टर, खरीद-बिक्री का विवरण और मरीजों को दी गई दवाओं का दैनिक रिकॉर्ड भी बारीकी से जांचा गया।

नेत्रदान संकल्प ला सकता है दो व्यक्तियों के जीवन में रोशनी: अभिमन्यु गुप्ता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत लार्यंस क्लब अग्रवाल मंडी एवं जिला रेडक्रॉस समिति के संयुक्त तत्वावधान में नेत्रदान पोस्टर, पेंटिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन अग्रवाल मंडी टट्टरी नगर के वैदिक कन्या इंटर कॉलेज में किया गया, जिसका शुभारंभ रेडक्रॉस समिति के जिला सचिव एवं रिलार्यंस इंटरनेशनल के मंडलीय अध्यक्ष के सलाहकार एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता ने किया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा मृत्यु उपरांत नेत्रदान से दो व्यक्तियों के जीवन में रोशनी हो जाती है। मृत्यु के बाद 6 से 8 घंटे के भीतर नेत्र बैंक की टीम को



बुलाकर नेत्रदान कराया जा सकता है। यह सुविधा 24 घंटे रहती है। इसमें बहुत पतली कोर्णिया की झिल्ली होती है। 10 मिनट में नेत्रदान हो जाता है। इससे चेहरे पर कोई फर्क नहीं पड़ता। इसलिए सभी को जागरूक होकर नेत्रदान का संकल्प लेना चाहिए। कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल श्रीमती सविता सेनी एवं श्रीमती मिथिलेश ने भी छात्राओं को संबोधित किया।

विद्यालय की 16 छात्राओं ने स्लोगन राइटिंग में भाग लिया, जिसमें कुमारी जूही, हर्षिता, अंशिका, अदिति, वसुंधरा, अर्शी, नैना, दिवा, वंशिका, दीपिका, प्राची, मंजू आदि शामिल रही। उन्होंने बताया कि 8 सितंबर को समाजसेवी ईश्वर अग्रवाल द्वारा अपने माता-पिता की पुण्य स्मृति में जियालाल प्रेमवती अग्रवाल सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

जैन श्रद्धालुओं ने लिया उत्तम शौच धर्म अंगीकार करने का संकल्प

अमीनगर सराय (बागपत)। पर्युषण पर्व के चौथे दिन नगर के जैन मंदिर में उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई। तीन लोक महामंडल विधान में 232 महा अर्घ्य समर्पित कर विश्व शांति की कामना की गई। रविवार प्रातः विधानाचार्य संयम शास्त्री ने देव शास्त्र गुरु का पूजन कराया। इससे पूर्व ब्र. प्रवीन जैन ने भगवान का जल अभिषेक कराया। तीन लोग महामंडल विधान में मन्त्रों के साथ 232 महा अर्घ्य समर्पित कर विश्व शांति की कामना की गई। भक्ति संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संयम शास्त्री ने चौथे धर्म की जीवन में स्पष्टता को अपनाने का संदेश दिया। इससे पहले नहने मुन्ने बच्चों ने जैन दर्शन के अनुसार जमीकंद नहीं खाने का संदेश देते हुए लघु नाटिका प्रस्तुत की तथा धार्मिक प्रश्न मंत्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार दिनेश जैन ने किया। इस दौरान विनोद जैन, वीरेंद्र जैन, अरुण जैन, अभिषेक जैन, वृषभ जैन, अशोक जैन, राकेश जैन, जय कुमार जैन, भूषण जैन आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। किसान मजदूर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक त्यागी के कार्यालय पर शनिवार को संगठन के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनु मलिक ने की। बैठक में बड़े गांव टोल पर किसानों और स्थानीय लोगों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार व टोल कर्मियों की मनमानी को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। अनु मलिक ने कहा कि बड़े गांव टोल पर आए दिन

किसानों के साथ अभद्रता की घटनाएं हो रही हैं, जो बिल्कुल गलत है। टोल कर्मों अपनी मनमानी पर उतारू हैं और कई बार गलत तरीके से टोल की वसूली की जाती है। उन्होंने बताया कि सामान्य तौर पर टोल पर दो उतरने और दो चढ़ने के पाँइंट होने चाहिए, लेकिन यहां सिर्फ एक-एक पाँइंट है, जिससे अक्सर लंबी जाम की स्थिति बन जाती है। अनु मलिक ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने अपनी जमीन हाईवे के लिए दी, उन्हें भी टोल फ्री सुविधा नहीं मिल रही, जो किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि स्थानीय

निवासियों के लिए टोल फ्री की व्यवस्था की जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि प्रशासन ने जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो किसान मजदूर संगठन 9 सितंबर से बड़े गांव टोल पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करेगा। संगठन ने साफ कहा कि जब तक मौक़ा पूरी नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक त्यागी, इंद्रजीत प्रधान, ओमवीर मास्टर, नीरज अरोड़ा, मनोज यादव, बिट्टू त्यागी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनहित फाउंडेशन ने बच्चों के साथ किया वृक्षारोपण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। वन विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को सुधारने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य देश के हरित क्षेत्र को बढ़ाना और पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है।

पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था जनहित फाउंडेशन की ओर से जनपद मेरठ के रोहटा ब्लॉक में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम राजकीय इंटर कॉलेज, आदर्श बाल इण्टर कॉलेज पूठखास में किया गया।

कार्यक्रम में जनहित फाउंडेशन की निदेशिका श्रीमती अनिता राणा उपस्थित रही। उनके द्वारा स्कूलों में पौधारोपण किया गया एवं छात्र छात्राओं को 200 से अधिक पौधे वितरित किये गये। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण कदम है जो पर्यावरण और मानव जीवन दोनों के लिए बेहद लाभदायक है। हरे-भरे वातावरण में रहने से मानसिक तनाव



कम होता है और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। वृक्षारोपण अभियान सिर्फ पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके रखरखाव और संरक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। हम सबको मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पेड़ बड़े होकर जंगल का रूप ले

सकें। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को वृक्षों के महत्व के बारे में शिक्षित करना और उन्हें वृक्षारोपण को एक नियमित आदत के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। राजकीय इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रीति राठी और आदर्श बाल इंटर

कॉलेज की प्रिंसिपल ममता द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों को समय समय पर करते रहने के लिए संस्था की निदेशिका को धन्यवाद किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जनहित फाउंडेशन कॉर्डिनेटर अजय कुमार, कविता त्यागी, स्कूल की शिक्षिकाओं का बहुत सहयोग रहा।

स्मार्ट टेबलेट पाकर खुश हुए महाविद्यालय के छात्र

● डीजी शक्ति योजना के अंतर्गत 120 स्मार्ट टेबलेट किए गए वितरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। चांदीनगर क्षेत्र के खड्डा प्रहलादपुर गांव स्थित स्थित सेठ तारीफ सिंह जैन डिग्री कॉलेज में अंतर्गत 120 स्मार्ट टेबलेट का वितरण किया गया। टेबलेट पाकर छात्र-छात्राएं बेहद उत्साहित और खुश नजर आए। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. सतेन्द्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की यह योजना छात्रों की शिक्षा के लिए वरदान साबित होगी।

उन्होंने बताया कि स्मार्ट टेबलेट से बच्चों की पढ़ाई में अधिक सहूलियत होगी और वे देश-दुनिया



की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। डीजी शक्ति योजना के तहत राज्य सरकार छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से स्मार्ट टेबलेट और लैपटॉप का वितरण कर रही है। इसका मकसद विद्यार्थियों को

आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाना और उनकी पढ़ाई को बेहतर बनाना है। इस अवसर पर शिक्षकों में कमलकांत कौशिक, देवेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

राधा अष्टमी पर सारथी वेलफेयर ने की गौ सेवा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। राधा गोपाष्टमी के अवसर पर सारथी वेलफेयर फाउंडेशन ने नगर स्थित अस्थायी गोआश्रय में फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने मिलकर गौ सेवा की, जिसमें सभी सदस्यों की सभागिता रही। अनिल अरोरा व विवेक सिंह ने बताया कि ये उत्सव कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की भगवान श्री कृष्ण द्वारा गोचरण लीला आरंभ करने का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन गाय के बच्चों की विशेष पूजा और आरती की जाती

है। सारथी वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने हरा चारा खिलाया व पूजा अर्चना की। राधा गोपष्टमी के अवसर पर गाय को दुशाला की ओढ़नी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष विकास गुप्ता, सचिव अनिल अरोरा, महिला कल्याण विभाग की कोडिनेटर श्रीमती वन्दना गुप्ता, डा० सचिन खोखर, डा० बबोती खोखर, विवेक चौधरी, मोनिका राजपूत, अनिल अरोरा, अंकुज खोखर, प्रिंस गुप्ता, सुहान मलिक, गोशाला के सुपरवाइजर दिनेश व उनके साथी कर्मचारी बिजेन्द्र भी उपस्थित रहे।

यज्ञशाला की स्थापना कार्यक्रम में शामिल होंगे बिहार के राज्यपाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत। नगर के चौधरी केहर सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से एक भव्य यज्ञशाला की स्थापना आगामी 5 सितंबर को चौधरी केहर सिंह दिव्य पब्लिक स्कूल के प्रांगण में होगी। इस अवसर पर बिहार प्रदेश के महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

मंगलवार को कॉलेज परिसर में प्रेस वार्ता करते हुए चौधरी केहर सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट के सचिव डॉ मनीष तोमर ने बताया कि भव्य यज्ञशाला का शिलान्यास बतौर मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद करेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में यज्ञशाला की आधारशिला रखकर हम सबको अपनी प्राचीन विश्व प्रसिद्ध वैदिक संस्कृति का निर्वहन करना है। यह यज्ञशाला केवल इंट पत्थर का ढांचा नहीं



आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र होगी। जहां से युवा पीढ़ी, संस्कार और राष्ट्र भक्ति का संदेश समाज में पहुंचाएगा। नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और वेदों से जोड़ने का यज्ञशाला माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा, यज्ञ प्राचीन काल से ही मानव जीवन का अभिन्न अंग रहा है। आज विश्वविद्यालयों में यज्ञ विज्ञान पर शोध ग्रंथ प्रकाशित हो रहे हैं। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री रवि शास्त्री ने कहा यज्ञशाला

शिलान्यास समारोह में जनपद के सामाजिक दायित्ववान सौ गांव के प्रतिनिधियों एवं आसपास के जनपदों के साथ युवा पीढ़ी, मातृशक्ति सहित हजारों लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा, यज्ञ प्राचीन काल से ही मानव जीवन का अभिन्न अंग रहा है। आज विश्वविद्यालयों में यज्ञ विज्ञान पर शोध ग्रंथ प्रकाशित हो रहे हैं। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री रवि शास्त्री ने कहा यज्ञशाला

ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब के सम्मान समारोह का गगनभेदी शंखनाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। साधुओं का परित्राण और दुष्टों का विनाश करने की इच्छा से श्रीहरि विष्णु बार बार क्षत्रिय वर्ण की कुलांगनाओं की पुनीत कुक्षि का चयनकर धरती पर अवतार लेते हैं। मयादां पुरुषोत्तम श्रीराम, लीला पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण, धम्मसंघ पुरुषोत्तम बुद्ध के रूप में श्रीहरि विष्णु का अवतार क्षत्राणियों के गर्भ से ही हुआ है। सतीत्व की रक्षा के लिए बार बार जौहर और अग्निस्नान करनेवाली वीरांगना क्षत्राणियों ने जहाँ आदिवराह मिहिरभोज, धंग, गण्ड, विद्याधर, कीर्तिवर्मा, परमर्दि, पृथ्वीराज, जयचन्द, बप्पा रावल, कुम्भा, दत्ताप, शिवाजी, दुर्गादास, शम्भाजी, जोरावर सिंह जैसे लक्षाधिक वीर पुत्रों को जन्म दिया है, वहीं आवश्यकता पड़ने पर नायकीदेवी, दुर्गावती, पद्मिनी, मीराबाई, कुन्दन कुँवरि के रूप में शत्रुकटक की शक्ति को रसातल में मिला दिया है।

क्षत्रिय जाति का गौरवशाली इतिहास शस्त्र और शास्त्र के समन्वय का द्योतक रहा है। उपनिषदों की गाथाएँ क्षत्रिय चिन्तकों के ज्ञानालोक से आपूरित हैं। विद्याव्यसनी क्षत्रियों की गौरवी परम्परा का निर्वहन भारतीय नरेशों ने प्राणप्रण के साथ किया है। स्वतन्त्रता के पश्चात् क्षत्रियों के हाथ से न केवल सत्ता का हस्तान्तरण हुआ, अपितु उनकी शास्त्रावगाहिनी दृष्टि भी शनैः शनैः ओझल होती चली गयी। शास्त्र के स्थान पर शस्त्र का बोलबाला हो गया और समाज में एक भ्रान्त अवधारणा प्रचलित हो गयी कि क्षत्रिय का तात्पर्य ही बाहुबली है। ऐसे भ्रान्ति-गिरि को भंग करने के लिए ही दैनिक स्वदेश के लखनऊ-संस्करण के सम्पादक डॉ. अतुलमोहन सिंह गहरवार के नेतृत्व में विगत 23 अगस्त को लखनऊ के दयाल गेटवे कंवेन्शन सेंटर, विभूतिखण्ड लखनऊ के भव्य सभागार में 'ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब' के तत्वावधान में 'मिलन सहभोज एवं सम्मान समारोह' का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ है।

प्रख्यात साहित्यकार पद्मश्री विद्याविन्दु सिंह के मुख्यातिथ्य, श्रीमा-ठाकुर अनिल सिंह गहरोल के विशिष्टातिथ्य, वयोवृद्ध पत्रकार ठाकुर निरंजन के सभापतित्व एवं शिक्षाविद्



होते रहना चाहिए। मैंने अपने 40 वर्ष से अधिक के पत्रकारिता के कैरियर में किसी पत्रकार के साथ अन्याय नहीं होने दिया।

सभी को अपनी अपनी जाति का गर्व होना चाहिए। मुझे क्षत्रिय होने का गर्व है। क्षत्रिय किसी से रक्षा की माँग नहीं करता, वह स्वयं रक्षा करता है। मैं पत्रकारिता को जातीय सीमा में नहीं बाँधता। पत्रकारिता जाति-धर्म से ऊपर है। क्षत्रिय समाज का ऐसा कार्यक्रम सदैव

– सुरेशबहादुर सिंह, (वरिष्ठ पत्रकार)



आयोजन का हिस्सा बनकर मैं स्वयं को गौरवान्वित और अभिभूत अनुभव कर रहा हूँ। ऐसे आयोजन हमें हमारे विस्तृत कुटुम्ब से जोड़ने के साथ साथ कौटुम्बिक दायित्वों के प्रति सजग और संवेदनशील बनने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। क्षत्रिय पत्रकारों का यह ऐतिहासिक जुटान वास्तव में समाज में सकारात्मक परिवर्तन के एक नये युग की शुरुआत है। यदि

हम सब मिलकर समाज में किसी भी स्तर पर सार्थक भूमिका निभा पायें, तो निस्सन्देह यह आयोजन अपनी पूर्ण सार्थकता सिद्ध करेगा। मैं अपने सभी वरिष्ठ पत्रकार साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके मार्गदर्शन और स्नेह से यह आयोजन सफल हो सका। अपने उद्बोधन में भी मैंने यही कहा कि यह मिलन सामाजिक बदलाव की दिशा में उठाया गया एक सशक्त एवं सार्थक कदम है। इस सफल आयोजन की आप सभी को बधाई और मुख्य रूप से बधाई के पात्र हैं भाई डॉ. अतुलमोहन सिंह, डॉ. आदित्यकुमार सिंह, जिनके अथक प्रयास से यह कार्यक्रम हो सका। कुटुम्ब के द्वारा मिले सम्मान के लिए मैं अत्यन्त कृतज्ञ और अभिभूत हूँ। यह सम्मान न केवल मेरा है, बल्कि पूरे पत्रकार समुदाय और हमारे महान-कुल का सम्मान है।

– गौतम सिंह, (वरिष्ठ पत्रकार)



योद्धा ढूँढ़ते रहे। पठान की जवान का महिमा मण्डन किया गया। क्षत्रिय हिन्दुत्व की छतरी है, जो घाम, बारिश, सर्दी सहन कर सभी वर्णों की रक्षा करती आयी है। हर वार का पहला घाव क्षत्रियों की छाती पर आया। आक्रान्ताओं की कोशिश हमेशा रही कि क्षत्रिय रूपी छतरी की

तैलियों को छिन्न-भिन्न कर दिया जाय। जब सामने से बात नहीं बनी तो पीठ पीछे षड्यन्त्र रचे गये। जब मैदान में शत्रु हारे तो मित्र बनकर घात लगाये गये। लखनऊ में हुए क्षत्रिय पत्रकार सम्मेलन पर बहुत से लोगों की अभद्र टिप्पणियाँ पढ़ रहा हूँ। उनकी जुबान तब बन्द हो जाती है, जब अन्य जातियों के सम्मेलन होते हैं। विभिन्न जातियों के सरकारी नौकरी करते लोग जगह जगह सम्मेलन करते हैं, तो वे एक शब्द नहीं कहते। हर व्यक्ति को अपने परिवार कुटुम्ब जाति की कमियों को दूर कर उन्हें सशक्त बनाने का अधिकार है। हम सबको यह ध्यान रखना है कि क्षत्रिय कमजोर होगा, तो हिन्दुत्व कमजोर होगा। नव बौद्ध, मिशनरी लोग जिस तरह से क्षत्रिय पहचान और परम्परा पर कुठाराघात कर रहे हैं, उससे क्षत्रियों को सावधान रहना है। उन्हें अपने कुटुम्ब प्रबोधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। क्षत्रिय सम्मेलन के प्रति अनर्गल प्रलाप करनेवाले ऐसा करने से बचें। उन्हें भगवान-सद्बुद्धि दे।

– पवन विजय, (लेखक एवं समाजशास्त्री)



सामर्थ्य का शंखनाद कर, सम्पन्न समागम पावन है। ओज, तेज, मेधा, शौर्य की, संचेतना का अवगाहन है।। ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब ने, एकता का आह्वान किया। एकरीकृत हुई कुल की ऊर्जा, नव-लक्ष्यों का संधान किया।।

– यदुनाथ सिंह 'मुरारी' (वरिष्ठ अध्येता, संस्कृति विभाग, भारत सरकार)



नयी दिशा देनेवाले पत्रकार साथियों के अथक परिश्रम और निष्ठा का सम्मान भी है।

– पवन सिंह चौहान (शिक्षाविद् एवं सदस्य, विधान परिषद्, उत्तरप्रदेश)



क्षत्रिय के एक हाथ में शस्त्र और दूसरे में शास्त्र होना अनिवार्य है। शस्त्र और शास्त्र का सन्तुलन ही विश्वामित्र की राजर्षि से ब्रह्मर्षि तक की यात्रा का द्योतक है। ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब का यह आयोजन इसी दिशा में उठाया गया एक प्रभावी कदम है।

– डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' (इतिहासकार एवं साहित्यकार)

श्री पवन सिंह चौहान (सदस्य, विधान परिषद् उत्तरप्रदेश) की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुए इस भव्य समारोह में क्षत्रिय परिवार में उत्पन्न हुए कीर्तिशेष पत्रकारों एवं साहित्यकारों के नाम पर क्षत्रियकुलोत्पन्न पत्रकारों एवं साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब सम्मान समारोह में 'श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' सम्मान' से श्री नरेन्द्र भदौरिया को, 'श्री

शीतला सिंह सम्मान' से श्री यशवन्त सिंह को, 'श्री राजबहादुर सिंह सम्मान' श्री भारत सिंह को, 'श्री एस.पी. सिंह सम्मान' से श्री सन्तोष भारतीय को, 'श्री हनुमान सिंह 'सुधाकर' सम्मान' से श्री शिवशरण सिंह गहरवार को, 'श्री अरविन्द सिंह सम्मान' से श्री रविन्द्र सिंह को, 'कैप्टन आर. विक्रम सिंह सम्मान' से डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को, 'श्री शेषनारायण सिंह सम्मान' श्री सुरेशबहादुर सिंह को, 'श्री

रामपाल सिंह सम्मान' श्री राजकेश्वर सिंह को, 'श्री जयप्रकाश शाही सम्मान' श्री अरविन्दकुमार सिंह को, 'डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' सम्मान' श्री रणविजय सिंह को, 'डॉ. अलका सिंह सम्मान' श्रीमती शालिनी सिंह को, 'श्री शिव सिंह 'सरोज' सम्मान' श्री सर्वेशकुमार सिंह को, 'श्री हरिनारायण सिंह सम्मान' श्री रामकृपाल सिंह को एवं 'श्री जगदीश सिंह वैस सम्मान' श्री शिवचरण सिंह

चौहान को प्रदान किया गया।

बहराइच जिले में रैकवार क्षत्रियों की प्रमुख इथोद्दी के रूप में विख्यात हरिहरपुर के पूर्व जमींदार परिवार के यशस्वी वंशज, पूर्व सैन्य अधिकारी, पूर्व आई.ए.एस., प्रख्यात स्तम्भकार, विचारक-चिन्तक, स्वतन्त्र पत्रकार कीर्तिशेष कैप्टन राघवेन्द्रविक्रम सिंह की पुनीत स्मृति में 'ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब' का 'कैप्टन आर. विक्रम सिंह सम्मान' दयाल गेटवे कंवेन्शन सेंटर,

विभूतिखण्ड लखनऊ के भव्य सभागार में पूरे प्रदेश से आये तीन सौ से अधिक ऊजावर्ग क्षत्रिय पत्रकारों की गौरवशाली समुपस्थिति में कवि-लेखक-सम्पादक एवं प्रख्यात इतिहासकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के अनन्तर डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' ने कहा कि 'मुझे तीस वर्ष की लेखकीय यात्रा में अनेक शासकीय-अशासकीय

सम्मान-पुरस्कार प्राप्त हुए, किन्तु जो प्रसन्नता 'महाराणा कुम्भा पुरस्कार' प्राप्त करके हुई थी, वही प्रसन्नता 'कैप्टन आर. विक्रम सिंह सम्मान' प्राप्त करके हो रही है। इस सम्मान हेतु मुझे चयनित करने के लिए मैं चयन-समिति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

दैनिक स्वदेश के स्थानीय सम्पादक डॉ. अतुलमोहन सिंह गहरवार, उत्तरप्रदेश मान्यता प्राप्त

संवाददाता समिति के सचिव तथा आखिलुक के राज्य संवाददाता भारत सिंह, पत्रकार-अधिवक्ता श्री सौरभ सिंह सोमवंशी एवं पत्रकार श्री के.के. सिंह 'कृष्ण' ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब सम्मान समारोह के सफल आयोजन के सूत्रधार थे।

इस आयोजन का गगनभेदी शंखनाद न केवल प्रदेश की राजधानी लखनऊ में, अपितु देश की राजधानी दिल्ली में भी सुनायी पड़ा।

पेराई सत्र 2025-26 की तैयारियों पर मण्डलायुक्त, मेरठ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

समीक्षा बैठक में पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा करते हुए भुगतान हेतु कड़े निर्देश दिए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। पेराई सत्र 2025-26 की तैयारियों के दृष्टिगत मण्डलायुक्त मेरठ कार्यालय के सभागार में मण्डलायुक्त, मेरठ हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में गन्ना विकास विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गन्ना मूल्य भुगतान, चीनी मिलों की रिपेयर-मैन्टेनेंस, घटतीली नियंत्रण, गन्ना आपूर्ति हेतु परिवहन व्यवस्था सहित कई अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

समीक्षा बैठक के दौरान मण्डलायुक्त, मेरठ ने मण्डल की समस्त चीनी मिलों को प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पेराई सत्र 2024-25 के दौरान बकाया गन्ना मूल्य भुगतान का



शत-प्रतिशत भुगतान तत्काल करने के निर्देश दिए, जिससे गन्ना कृषकों को नये सत्र में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने आगामी पेराई सत्र के दृष्टिगत वह भी निर्देशित किया कि समस्त चीनी मिलें अपनी संचालन सम्बंधी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करते हुए रिपेयर-मैन्टेनेंस कार्य समय से पूर्ण कर ले, जिससे पेराई सत्र के समय चीनी मिलों में कोई तकनीकी समस्या न हो। मण्डलायुक्त, मेरठ ने यह भी निर्देश दिए कि 10 अक्टूबर, 2025 तक समस्त चीनी मिलें क्रय केन्द्र स्थापित करते हुए विधिक माप विज्ञान विभाग

को स्टैमिंग हेतु सूचित कर दे। मण्डलायुक्त द्वारा विधिक माप विज्ञान एवं गन्ना विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि घटतीली पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाए एवं बाट माप विज्ञान विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि पेराई सत्र संचालन से पूर्व समस्त कटि एवं मानक बाटों का स्टैमिंग कार्य आगामी 15 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाए। यह भी निर्देशित किया गया कि बाट माप विभाग के अधिकारी सत्र के दौरान निरीक्षण पंजिका पर ही निरीक्षण

अंकित करते हुए निरीक्षण रिपोर्ट सम्बन्धित गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त, परिक्षेत्र-मेरठ को अनिवार्य रूप से प्रेषित करें। मण्डलायुक्त ने समीक्षा बैठक में गन्ना दुलाई में प्रयुक्त होने वाले वाहनों और परिवहन व्यवस्था की स्थिति का भी जायजा लेते हुए निर्देशित किया कि दुलाई व्यवस्था सुचारु रूप परदर्शी रखी जाए।

जिससे गन्ना कृषकों का गन्ना समय से उठान होकर मिलों तक पहुँच सके साथ ही उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित

किया कि गन्ना मिल क्षेत्रों से जुड़े हुए मार्गों की मरम्मत/निर्माण कार्य मिल संचालन से पूर्व करा दे। आज आयोजित इस समीक्षा बैठक में परिक्षेत्र के उप गन्ना आयुक्त, राजीव राय, उप चीनी आयुक्त परिक्षेत्र-मेरठ, सुभाष चन्द, जिला गन्ना अधिकारी, बागपत, अमर प्रताप सिंह, जिला गन्ना अधिकारी, बुलन्दशहर, डा. अमिल कुमार भारती, जिला गन्ना अधिकारी, गाजियाबाद, प्रदीप कुमार, गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त, मेरठ व अलीगढ़, लोक निर्माण विभाग के अभियंता, जगदीश प्रसाद, विधिक माप विज्ञान (बाट एवं माप विभाग), पंचशील बौद्ध, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, राजकुमार सिंह सम्भागीय विख्यापन अधिकारी, गौरव कुमार एवं मण्डल की समस्त चीनी मिलों के प्रतिनिधि/अध्यासी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 205 रोगियों की जांच



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौता (बागपत)। लौहड्डा गांव में रविवार को स्वर्गीय हरफूल सिंह की स्मृति में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें दिल्ली में मेरठ से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 205 रोगियों की जांच कर दवाइयाँ निशुल्क वितरित की।

शिविर का शुभारंभ थांबा चौधरी

यशपाल सिंह व रालोद नेता अश्वनी तोमर ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में सर गंगाराम हॉस्पिटल दिल्ली से आए पेट रोग विशेषज्ञ डा. आदित्य तोमर, लाला लाजपत राय मेडिकल कालेज मेरठ से आए फिजीशियन डा. अमर तोमर व हड्डि रोग विशेषज्ञ डा. अभिनव भारत धनकड़ आदि चिकित्सकों ने आसपास के गांवों से आए विभिन्न

रोगों से पीड़ित 205 रोगियों की जांच कर दवाइयाँ निशुल्क वितरित की तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। शिविर में रोगियों की शुगर, बीपी व इसीजी जांच भी की गई। आयोजन में संयोजक महावीर सिंह तोमर, मुकेश तोमर, राजबीर सिंह, अशपाल सिंह, कृष्णपाल, भंवर सिंह, आनंद छिल्लर, रामछैल, महेंद्र सिंह, आकाश तोमर आदि मौजूद रहे।

समाचार चैनल ‘किसान तक’ द्वारा प्रकाशित खबर गन्ने की फसल पर विदेशी

कीट का प्रकोप, जो फसल बर्बाद कर देगा, पूर्णतया निराधार एवं असत्य

गन्ना शोध परिषद शाहजहाँपुर के पादप सुरक्षा वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है गन्ना फसल का सर्वेक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रदेश के आयुक्त, गन्ना एवं चीनी द्वारा दिनांक 25 अगस्त, 2025 को प्रिंट समाचार चैनल 'किसान तक' द्वारा 'गन्ने की फसल पर विदेशी कीट का प्रकोप, जो फसल को चौपट कर देगा' शीर्षक से जारी प्रिंट समाचार को पूर्णतया निराधार बताते हुए खबर का खण्डन किया गया है। इस समाचार में यह दावा किया गया है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चीनी मिल क्षेत्रों में एक विदेशी कीट (फॉल आर्मीवर्म) का प्रकोप गन्ना फसल पर देखा गया है। आयुक्त ने बताया कि विषय की गम्भीरता के दृष्टिगत गन्ना शोध परिषद, शाहजहाँपुर के पादप सुरक्षा वैज्ञानिकों

● गन्ना शोध परिषद शाहजहाँपुर के पादप सुरक्षा वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है गन्ना फसल का सर्वेक्षण

से इसकी पुष्टि की गयी जो वर्तमान में रोग कीटों की जाँच के लिए विभिन्न क्षेत्रों में गन्ना फसल का सर्वेक्षण भी कर रहे हैं। स्थलीय सर्वेक्षण की वास्तविक स्थिति के अनुसार वैज्ञानिकों ने गन्ने की फसल पर किसी भी प्रकार का विदेशी कीट का प्रकोप नहीं पाया है। तत्कम में शोध परिषद के वैज्ञानिकों



द्वारा इस समाचार में लिखे तथ्यों को तथ्यहीन एवं भ्रामक बताते हुए रिपोर्ट प्रेषित की गयी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में केवल चोटी बेधक, जड़ बेधक, स्फेद मक्खी आदि कीट का सामान्य प्रभाव देखा गया है, जिसके नियंत्रण के लिए गन्ना विकास विभाग व चीनी

मिलें ड्रोन से पेस्टीसाइड का स्प्रे भी कर रही है। समाचार चैनल द्वारा जिस कीट की फोटो फॉल आर्मीवर्म के संदर्भ में दिखाई गयी है, वह भी चोटी बेधक कीट के नवजात का लार्वा है न कि फॉल आर्मीवर्म। आयुक्त ने किसानों से यह भी

अपील की है कि इस प्रकार की असत्य एवं अपुष्ट जानकारी गन्ना किसानों के मध्य अनावश्यक भ्रम पैदा करती है, जबकि वास्तव में अभी तक प्रदेश की किसी भी चीनी मिल द्वारा उनके क्षेत्रों में वैज्ञानिकों द्वारा किसी गन्ना क्षेत्र में फॉल आर्मीवर्म का प्रकोप नहीं देखा गया है।

अतः वह विभागीय अधिकारियों / वैज्ञानिकों से पुष्टि किये बिना ऐसी भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। साथ ही प्रदेश के गन्ना कृषकों एवं चीनी मिलों के हितों के दृष्टिगत किसान तक चैनल पर खबर के प्रकाशक श्री जे.पी.सिंह को भी पत्र लिखकर भ्रामक समाचार को चैनल से हटाने के लिए पत्र भी प्रेषित किया गया है।

गिरिजापुर की सांस्कृतिक धार्मिक परम्परा का संवाहक सिद्ध होगा कन्तित-कीर्ति-कौमुदी सम्मान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गिरिजापुर। 'कन्तित' स्थानवाचक संज्ञा है। यह एक प्राचीन हिन्दू तीर्थ और अनेक राजवंशों की राजधानी रहा है। पुराणों में कन्तित का उल्लेख 'कान्तिपुरी' के रूप में किया गया है। भारतीय इतिहास का एक ऐसा भी अध्याय है, जहाँ भारत की राजधानी कान्तिपुरी, अर्थात् कन्तित में स्थापित होती है। वह समय है यशस्वी मौर्य-शुंग-कण्व सम्राटों के बाद का, जिसे 'भारशिव-विन्ध्यक काल' (257-82 स.यु.पू.) कहते हैं। कन्तित को अपनी राजधानी भारशिव-नरेशों ने बनाया।

भारशिव-शासक होशंगाबाद और जबलपुर के आरण्यक प्रान्त से निकलकर बघेलखण्ड होते हुए गंगा तक पहुँचे थे। सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. काशीप्रसाद जायसवाल लिखते हैं- 'बघेलखण्डवाली सड़क से जो यात्री गंगा की ओर चलते हैं, वे कन्तित के उस पुराने कि ले के पास आकर पहुँचते हैं, जो मिर्जापुर और विन्ध्याचल के कस्बों के बीच में है। जान पड़ता है कि यह कन्तित वही है, जिसे विष्णु की कान्तिपुरी कहा गया है। इस कि ले के पत्थर के खम्भे के एक टुकड़े पर मैंने एक बार आधुनिक देवनागरी में 'कान्ति' लिखा हुआ देखा था। यह गंगा के किनारे एक बहुत बड़ा और प्रायः एक मील लम्बा मिट्टी का कि ला है, जिसमें एक बड़ी सीढ़ीनुमा दीवार है और जिसमें कई जगह गुप्तकाल की बनी पत्थर की मूर्तियाँ या उनके टुकड़े आदि पाये जाते हैं। यह कि ला आजकल कन्तित के राजाओं की जमींदारी में है, जो कन्नौज और बनारस के गहड़वाल राजाओं के वंशज हैं। मुसलमानों के समय यह कि ला नष्ट कर दिया गया था और तब यहाँ के राजा उठकर पास की पहाड़ियों के विजयपुर और माण्डा नामक स्थानों में चले गये थे, जहाँ अबतक दो शाखाएँ रहती हैं। कन्तित के लोग कहा करते हैं कि गहरवारों से पहले यह कि ला भर राजाओं का था। ऐसा जान पड़ता है कि यह भर शब्द उसी भारशिव शब्द का अपभ्रंश है।' (अन्धकारयुगीन भारत, नागरीप्रचारिणी सभा काशी, द्वितीय संस्करण 2014 वि.सं., पृ. 9)।

पुराणों में भारशिव नाग राजाओं की तीन राजधानियों का उल्लेख मिलता है। विष्णुपुराण में कहा गया है-

नवनागा पद्मावत्यां कान्तिपुर्यां मथुरायाम्।
पुराणोत्तरकालीन महाकाव्यों में कन्तित या कान्तिपुरी का उल्लेख श्रीकण्ठीय के रूप में किया गया है। महाकवि माधव उरुख्य द्वारा 1556 ई. के पूर्व रचित 'वीरभानुदयकाव्य' में कन्तित को श्रीकण्ठीय कहा गया है।
येनाजुर्नेनासवतीयमुर्वी श्रीकण्ठीयस्य नितातशोभाम्।
पार्थाजुर्नेन विशालविन्ध्य प्रभावयुक्तस्य शिलायस्य॥
- वीरभानुदयकाव्यम् 1/53
कालान्तर में चन्देल-शासक कीर्तिवर्मा (1060-1100 ई.) के सहयोग से श्रीकण्ठीय का कान्तिपुरी कन्तित की कीर्ति-कौमुदी काशी-कन्नौज के गहरवार-नरेशों से सम्पृक्त हो गयी। महाराज



यशोविग्रह की सातवीं पीढ़ी के यशस्वी वंशज महाराज जयचन्द्र के अनुज महाराज माणिक्यचन्द्र उपाख्य रत्नभानु (1170-1190 ई.) ने मानिकपुर, केरामगैरी, कन्तित-विजयपुर, माण्डा-डैया पर आधिपत्य स्थापित कर लिया। बाद में भी यह समस्त भूभाग माणिक्यचन्द्र के वंशजों के अधीन रहा आया। जिस कालखण्ड में महाराज माणिक्यचन्द्र ने कन्नौज से पृथक् अपना राज्य स्थापित किया, उसी कालखण्ड में कालिंजर के चन्देल साम्राज्य की चन्देरी शाखा के राजकुमार भारमलदेव अगोरी के बालन्दवंशी महावृद्ध शासक मदनशाह को अपदस्थ कर 1175 ई. में अगोरी के राजसिंहासन पर आसीन हुए।

महाराज भारमलदेव के कनिष्ठ पुत्र महाराज हरशाह (हरवर्मा) के चार पुत्र थे- महाराज सिंहहरवर्मा, राजकुमार हरिहरवर्मा, राजकुमार संसारवर्मा (संसारब्रह्म) एवं राजकुमार रुद्रशाह। महाराज सिंहहरवर्मा के राजत्वकाल में बालन्द-नरेश मदनशाह के वृद्धपौत्र बालन्द फातमशाह और खरवार हंगड़ शाह ने रात्रिकाल में अकस्मात आक्रमण कर लिया। चन्देलों का बालन्द-खरवार संघ से घमासान युद्ध हुआ। युद्ध में महाराज सिंहहरवर्मा के अनुज रुद्र शाह भाग निकले। उनके पास ही राजकुमार संसारब्रह्म की पुत्री राजकुमारी चारुदेणि कुँवरि थीं। इस भीषण संग्राम में सम्पूर्ण चन्देल परिवार नष्ट हो गया। किसी तरह सहचरियों के साथ लुक-छिपकर राजकुमार संसारब्रह्म की गर्भिणी रानी भागने में सफल हुईं। मार्ग में ही रानी के गर्भ से एक सुन्दर पुत्र-रत्न का जन्म हुआ। प्रसव की असह्य वेदन से उसी समय रानी ने परलोक-यात्रा प्रारम्भ कर दी। रानी की एक परिचारिका बालक को बाँस-पात्र (ओढ़ा) में रखकर भागी और मिर्जापुर जिले में एक छोटी-सी अन्तःसलिला के तट पर अवस्थित पहाड़ा स्टेशन से एक मील पूर्व की ओर विद्यमान बेलवन गाँव, परगना कन्तित में एक सोइरी के घर में रहकर उस बालक का लालन-पालन करने लगी। बालक का नाम उड़नदेव रखा। कालान्तर में केरामगैरी-कन्तित के 5वें शासक महाराज भरतदेव (1248-1268 ई.) की दृष्टि उड़नदेव पर पड़ी। उन्होंने उड़नदेव का लालन-पालन करनेवाली उनकी धायमाता से वास्तविक जानकारी प्राप्तकर राजकुमार उड़नदेव के सम्मान अपने राजमहल में बुलवाया और अपनी पुत्री से उनका विवाह करवाया। गहरवार-नरेश महाराज भरतदेव, काका रुद्रशाह (बिजौर) और कतिपय ब्राह्मणों की सहायता से 1253 ई. में अगोरी, 1256 ई. में

विजयगढ़ और 1261 ई. में बरदो-शाहपुर पर अधिकार कर राजकुमार उड़नदेव स्वतन्त्र शासक बन बैठे।

इस घटना का उल्लेख अपने संस्कृत-काव्य 'संक्षिप्तागोरीबड़हरपरिचयश्चन्द्रान्वयपरिचयश्च' में पण्डित रमानाथ जी ने इस प्रकार किया है-
वभूव विजितं दुर्गं राजो मृत्युश्च दुस्सहः।
भायार्द्रिनिर्गता राजी दुर्गाच्छसु समन्विता॥
निधायस्विणु पात्रे वंशद्वारा विनिर्मिते।
निनाय स्वपितृगृहे दक्षैका कर्मकारिणी॥
तस्यपात्रस्य भाषायामोडा नामप्रतिष्ठितम्।
ओडुन्देवस्ततोनाम पात्रान्नयनाकारणात् तच्छिशोः॥
विजयाद्योपुरेनाम्नि राजसे वेलवनाभिधः।
ग्रामस्तत्र युवाजातस्तेनभिन्नाश्रयैः॥
कन्तितस्य नृपः श्रुत्वौगनदेवस्य वृत्तकम्।
उद्वाहं कृतवान्-पुत्र्यासाकं विधिधिधानतः॥
राजाकन्तितराज्यस्य दत्तारवीयं बलमहत्॥
आक्रान्त्यैषयामासधीरोऽगोरीसुपतने॥
विजितः पतनं तेन बलिना तत्तुनः खलु।
झामः पलायितस्तस्मदुर्गाद्राजो ततोऽभवत्॥
- रजत-जयन्ती-भूषण, पृ. 100-101
उपर्युक्त घटना का विस्तृत वर्णन सर इलिए एम. हेनरी, रेवेण्ड एम.ए. शेरिंग, सर डी.एल. ड्रैक-ब्रोकमैन आदि पाश्चात्य इतिहासकारों ने भी किया है।

वस्तुतः काशी में भगवान-विश्वेश्वर विश्वनाथ को साक्षी मानकर चन्देल-नरेश महाराज कीर्तिवर्मा (1060-1100 ई.) और गहरवार-नरेश चन्द्रदेव (1085-1100 ई.) के मध्य जो मैत्री हुई, कालान्तर में गहरवार-नरेश महाराज भरतदेव (1248-11268 ई.) ने राजकुमार उड़नदेव से अपनी पुत्री का विवाह करने के साथ उनकी सैन्य सहायता करके उसी का प्रत्युत्पन्न किया।

अगोरी-बड़हर, विजयगढ़, बरदो-शाहपुर के चन्देलों और कन्तित-विजयपुर, माण्डा-डैया, कोहड़ार-बड़ोखर आदि गहरवारों के मध्य यह प्रथम ज्ञात वैवाहिक सम्बन्ध है। इसी वैवाहिक सम्बन्ध की मधुर स्मृति को जीवन्त करते हुए पण्डित रमानाथ जी ने परिहास-पेशलता का परिचय देते हुए लिखा है-
नगवरस्य हि विन्ध्यगिरेरयम् शिखरभाग गतः परिशोभते।
बड़हरस्य च वायुदिशाभवं विजयपूर्वपुरं समवस्थिताम्॥
विजयपूर्वपुरस्यपुराङ्गना

विजितवत्यविवेकि मनः श्रुतम्।
बड़हरस्य विवेकिभिराहता बड़हरवर्मिदं प्रथितं ततः॥
- पण्डित रमानाथ जी : संक्षिप्तागोरी-बड़हरपरिचयश्च-चन्द्रान्वयपरिचयश्च : रजत-जयन्ती-भूषण (सं. पं. चन्द्रशेखर शुक्ल), पृ. 94, श्लोक सं. 7-8

बड़हर-राज्य की वायव्य (पश्चिमोत्तर) दिशा में श्रेष्ठ पर्वत विन्ध्य के शीर्षभाग पर विजयपुर नामक राज्य अवस्थित है। कहा जाता है कि विजयपुर की सुन्दरियाँ अविवेकी अर्थात् चंचल मनवाले युवकों का मन बरबस जीत लिया करती थीं, किन्तु बड़हर के विवेकी एवं मनस्वी पुरुषों के द्वारा वे अपहृत कर ली गयीं (उनका मन जीत लिया गया) उसी समय से इस स्थान का नाम बड़हर प्रसिद्ध हो गया।

वर्ष 2000 ई. में पण्डित रमानाथ जी के उपर्युक्त द्रुतविलम्बित छन्द का मैंने घनाक्षरी छन्द में छायानुवाद किया था, जो यहाँ यथावत् प्रस्तुत है-
लोल लोल लौचनों से दामिनी प्रवार कर,
अंगना अनंग रंग डूब बलखाती हैं।
बार बार जाता अविवेकियों का हार मन,
मूल में विजय की सुशोभा दरसाती हैं।
गोरी को अगोरी में, बदलता कुमार सदा,
कन्तित-किशोरी स्नेहसिक्त शरमाती हैं।
बड़हर महिमा बड़ी हुई अनन्त आज,
भाव-वीचियों में स्वर्ण-छवि लहराती हैं॥

इस वैवाहिक सम्बन्ध ने विन्ध्यक्षेत्र में चन्देलों और गहरवारों की पारिवारिक मैत्री की अविच्छिन्नता का बीजारोपण किया। इसके बाद दोनों तरफ से यह सम्बन्ध आजतक यथावत् हैं। गहरवार-परिवार की कुमारियाँ चन्देलकुमारों से और चन्देल-परिवार की कुमारियाँ गहरवारकुमारों से परस्पर ब्याही जाने लगीं। यह वैवाहिक सम्बन्ध आज भी चन्देल-गहरवार-मैत्री का प्रमुख आधार है।

महाराज माणिक्यचन्द्र के 17वें उत्तराधिकारी महाराज गूदनदेव उपाख्य कुन्दनदेव (1483-1503 ई.) ने स्थायी रूप से कन्तित में अपनी राजधानी का निर्माण करवाया। इस दृष्टि से महाराज गूदनदेव (कुन्दनदेव) कन्तित-विजयपुर के गहरवार-राज्य के संस्थापक हैं। यद्यपि यह क्षेत्र उनके पूर्वजों के ही अधिकार में था और वे कन्तित-नरेश ही कहे भी जाते थे, किन्तु तब राजधानी केरामगैरी में थी। महाराज गूदनदेव की 12वीं पीढ़ी के उत्तराधिकारी राजा युवराज सिंह (1701-1721 ई.) के पुत्र राजा अनूप सिंह (1721-1741 ई.) ने अपने

युवराजत्वकाल में गिरिजापुर नगर की स्थापना की, जिसे आज एक विशेष षडयन्त्र के तहत मिर्जापुर कहा जाता है। इन्हीं राजा युवराज सिंह की पुत्री और राजा अनूप सिंह की बहन राजकुमारी कनक कुँवरि जू देई देवी का विवाह अगोरी के राजा लालशाह जूदेव के प्रपौत्र एवं देवगढ़ के प्रथम ताल्लुकेदार महाराजकुमार बाबू गजराज सिंह जूदेव के पौत्र कुँवर कीर्तिब्रह्म सिंह जूदेव से हुआ। सन् 1735 ई. में काशिराज बलवन्त सिंह से युद्ध करते हुए प्रायः 20 वर्ष की अवस्था में कुँवर कीर्तिब्रह्म सिंह जूदेव ने मातृभूमि के रक्षार्थ अगोरी के रण-संगर में अपना बलिदान कर दिया। बलिदानी पति के पार्थिव शरीर को लेकर कुँवरानी कनन कुँवरि जू देई देवी अगोरी में ही सती हो गयीं। आज भी गोठानी के सोमेश्वरनाथ महादेव-मन्दिर में स्थापित सतीस्तम्भ उनकी स्मृति को जीवन्त करता है। अगोरी दुर्ग के प्रवेश द्वार के भीतर दाहिनी तरफ भी सतीस्थान है। भदोही परगने के महामनीषी आचार्यकवि पण्डित राजनाथ मिश्र ने 'सती कनक कुँवरि स्तोत्र' में इस वैवाहिक सम्बन्ध का चित्रण किया है-

विन्ध्यगिरिराज की मनोरमा घरा में खिली,
चाँदनीलता की कलित की छवि धारे थी।
कन्तित-नरेश की दुलारी दुहिता 'कनक',
विन्ध्यविसिनी-कृपा कटाक्ष को संभारे थी।
दक्षजा सती के अनुराग में रंगी हुई-सी,
अनुसूया-सीता पर रोम रोम वारे थी।
प्राणवल्लभा थी कीर्तिब्रह्म सेनानायक की,
'राज' दोनों कुल को सतीत्व से निखारे थी॥
सिद्धपीठ वसुधा की कन्तित सुधा से भित्त,
मिली देवगढ़ से धरातिसुखकन्दिनी।
शोणभद्र-से प्रशस्त कीर्तिब्रह्म वीर्यवान,
देवसरि-सी कनक पातकनिकन्दिनी।
मंजु माधुरी-सी मालतीलता-सी दिव्य,
अमलकला-सी कमला-सी शूचिचन्दिनी।
गजराज सिंह के सुयश को बढ़ाती 'राज',
सती बन राज रही युवराजनन्दिनी॥

महामनीषी पण्डित राजनाथ मिश्र : 'सती कनक कुँवरि स्तोत्र देवीस्तोत्र', देववाणी से राष्ट्रवाणी तक (सम्पादक- सुरेशकुमार सिंह, आई.ए.एस.), पृ. 353

'कन्तित राज विजयपुर परिवार' ने विगत 18 अगस्त को कीर्तिशेष श्रीमन्त राजा श्रीनिवासप्रसाद सिंह की 107वीं जयन्ती के अवसर पर कन्तित राज्य के संस्थापक राजा गूदनदेव की स्मृति में 'कन्तित-कीर्ति-कौमुदी सम्मान' का प्रवर्तन किया। इस सम्मान

की परिकल्पना प्रमुख रूप से बैधा-गढ़वा-निवासी चिन्तक-मनीषी, राष्ट्रवादी विचारधारा के उन्नायक बाबू राजेश सिंह गहरवार और कुशहा-निवासी अधिवक्ता-प्रवक्ता बाबू जैनेन्द्र सिंह गहरवार ने की। कन्तित राज विजयपुर परिवार के वर्तमान उत्तराधिकारी राजा अनिलप्रताप सिंह ने इस परिकल्पना को अपनी स्वीकृति से ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया। इसी के साथ ही सामाजिक समरसता के लिए 'राजा वेणीमाधव सिंह सम्मान', शिक्षा के लिए 'मान-माधव सम्मान', समाजसेवा के लिए 'राजा श्रीनिवासप्रसाद सिंह सम्मान', धर्म-जागरण के लिए 'राजमाता रमाकान्त कुँवरि सम्मान' तथा संगीत-कला के लिए 'राजकुमारी आशालता हिरामणि सम्मान' का शुभारम्भ हुआ।

गहरवार-नरेश महाराज भरतदेव के जामाता चन्देल-नरेश महाराज उड़नदेव एवं गहरवार-नरेश राजा युवराज सिंह के जामाता अमर बलिदानी कुँवर कीर्तिब्रह्म सिंह के वंशज तथा गहरवार-नरेश राजा दादुराय (1661-1681 ई.) के अनुज, कुशहा के प्रथम ताल्लुकेदार महाराजकुमार बाबू अचल सिंह के यशस्वी वंशज, भिटहा-निवासी कीर्तिशेष प्राचार्य बाबू दिनेशप्रताप सिंह के जामाता, सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को साहित्य-इतिहास के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कन्तित-विजयपुर के प्राचीन गौरव को प्रतिपादित करने हेतु 'कन्तित-कीर्ति-कौमुदी सम्मान' प्रदान किया गया।

इसी क्रम में सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु 'राजा वेणीमाधव सिंह सम्मान' चन्देल-नरेश महाराज उड़नदेव के वंशज महाराजकुमार बाबू दुर्जन सिंह के यशस्वी वंशज बाबू दिनेशप्रताप सिंह 'स्वामी अन्तरहंस' (सिरविट) को प्रदान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र महनीय योगदान हेतु ज्ञानन्दा एकेडेमी की संस्थापक चन्देलकुलस्नुषा श्रीमती डॉ. शोला सिंह को 'मान-माधव सम्मान', समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु बाबू बेचन सिंह गहरवार को 'राजा श्रीनिवासप्रसाद सिंह सम्मान', धर्म-जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु स्वामी कृष्णानन्द जी को 'राजमाता रमाकान्त कुँवरि सम्मान' तथा संगीत-कला के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान हेतु संगीतज्ञ स्वामी मोहनदास को 'राजकुमारी आशालता हिरामणि सम्मान' से अलंकृत किया गया।

सभापति श्रीवर्द्धेश्वरनाथपीठाधीश्वर महन्त डॉ. योगानन्द गिरि जी महाराज, मुख्य अतिथि महाराज राजा महेन्द्रप्रताप सिंह (शंकरगढ़), विशिष्ट अतिथि राजा श्रीचन्द्रविक्रमपदधारण शाह (विजयगढ़), राजकुमार देवाशब्रह्म (अगोरी-बड़हर), कुँवर अपूर्वब्रह्म (विसरहा) एवं संरक्षक राजा अनिलप्रताप सिंह (कन्तित-विजयपुर/प्रतापगढ़) तथा बड़ी संख्या में उपस्थित कन्तित राज विजयपुर परिवार के विभिन्न घरानों के गहरवार-ठिकानेदार और अगोरी-बड़हर, विजयगढ़ के विभिन्न घरानों के चन्देल-ताल्लुकेदार इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने।

कन्तित राज विजयपुर परिवार का यह सम्मान, सम्मिलन और सहभोज कार्यक्रम गिरिजापुर की सांस्कृतिक धार्मिक परम्परा का संवाहक सिद्ध होगा।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री ने सुनी स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की पीड़ा!

नई दिल्ली में 29 से 31 अगस्त तक आयोजित हुई स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महापरिषद की छठी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया गया। महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष 101 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी प्रहलाद प्रजापति के नेतृत्व में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके नई दिल्ली आवास पर मिले प्रतिनिधि मंडल को उन्होंने भरोसा दिया कि वे उनकी पीड़ा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उनसे स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को राष्ट्रीय परिवार घोषित करने की दिशा में पहल करने का अनुरोध करेंगे। महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष 101 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी प्रहलाद प्रजापति के नेतृत्व में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके नई दिल्ली आवास पर मिले प्रतिनिधि मंडल को उन्होंने भरोसा दिया कि वे उनकी पीड़ा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उनसे स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को राष्ट्रीय परिवार घोषित करने की दिशा में पहल करने का अनुरोध करेंगे।



डॉ श्रीगोपात नारसन एड.

परिवारों/उत्तराधिकारियों की भूमिका देश के नव निर्माण हेतु सुनिश्चित की गई है। साथ ही महापरिषद् देश के लगभग 800 जिलों में स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीदों के सपनों का भारत बनाने में लोकतंत्र के चारो स्तम्भों, कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका मीडिया तथा सबसे महत्वपूर्ण पंचैवा अंग निजी क्षेत्र (कॉरपोरेट सेक्टर) के साथ निरन्तरता के साथ संवाद रखते हुये

केंद्रों। महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रहलाद प्रजापति व राष्ट्रीय समन्वयक हरिराम गुप्ता ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री को बताया कि हिस्टुस्तान की लगभग 2 करोड़ स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों की भूमिका देश के नव निर्माण हेतु सुनिश्चित की गई है।



देश के हित में स्वच्छ राजनैतिक डिजिटलाइज्ड परिचय पत्र प्रत्येक उत्तराधिकारियों को केन्द्र/राज्य सरकारें प्रदान करें। वही राष्ट्रीय जनगणना में अगल से स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की गणना की जाए, ताकि देश में आजादी से जुड़े शहीद परिवार कल्याण महापरिषद् को संवैधानिक दर्जा दिया जाय तथा डिजिटलाइज्ड परिचय पत्र प्रत्येक उत्तराधिकारियों को केन्द्र/राज्य सरकारें प्रदान करें। वही राष्ट्रीय जनगणना में अगल से स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की गणना की जाए, ताकि देश में आजादी से जुड़े शहीद परिवारों की पहचान हो सके

व उत्तराधिकारियों की भूमिका देश भक्ति के जुनून के साथ देश के लिए निर्धारित हो सके। स्वाधीनता सेनानी नन्द किशोर माली व गणेश माधवन की मौजूदगी में महासचिव कुमार पटेल, महिला विंग समन्वयक इंदिरा मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पंत, अजय नारायण सीतलानी, एसएन

मिश्र, मुकेश मर्चेट, दिवाकर झा, महावीर ढाका, चौधरी विनोद कुमार, सुनील बाजारी, स्वाधीनता सेनानी गणेश माधवन, अप्पा राव नवले, सोमेश गुप्ता, संजय द्विवेदी, सुरेंद्र बुटोला, राम कुमार सिंह स्वतंत्र, आशा लाल रजनी सीतलानी, ममता प्रभा, प्रोफेसर बंदना राय, अप्पा



नवले, संजय द्विवेदी, सुरेंद्र बुटोला ने स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को अपने स्वाधिमान के लिए सतत संघर्ष का संकल्प लिया इस कोर कमेटी की बैठक में प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के प्रपौत्र मनीष सिन्हा ने आकर अपना खुला समर्थन दिया। स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों की



जीवनी शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग भी देश के स्वतंत्रता सेनानी परिवारो द्वारा की गई है। (लेखक अमर शहीद जगदीश वत्स के भांजे हैं और स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

1400 मेधावी छात्रों का सम्मान, 6 बच्चों को मिली साइकिल



दीपक चौधरी

अलीगढ़। सर्वशक्ति सेवा संस्था के तत्वावधान में रतन प्रेम डी.ए.वी. बालिका इंटर कॉलेज, नौरंगाबाद (अलीगढ़) में मेधावी छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा 1400 बच्चों को मेडल, टॉफी और साइकिल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अंजुला भार्गव, श्रीमती मधु गुप्ता, श्री कालीचरण अग्रवाल (बरसोली वाले), श्री सुनील अग्रवाल (छतारी वाले) एवं श्री देवकुमार गर्ग (BTC) द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमानवेन्द्र प्रताप सिंह (गुरुजी) रहे।

पं. लोकेश शास्त्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति



सजग रहते हुए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को

देश और समाज के प्रति सदैव समर्पित रहना चाहिए।



विशेष सम्मान

संस्था ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 बच्चों को साइकिल भेंट कर सम्मानित किया—

- | | |
|--|--------|
| 1. परी शर्मा (कक्षा 10वीं, सरस्वती स्कूल) - | 94% |
| 2. देविक गुप्ता (कक्षा 9वीं, रघुवीर बाल मंदिर) - | 93.17% |
| 3. शिवानी बघेल (कक्षा 8वीं, गोल्ड माइन) - | 99.94% |
| 4. शिवा (कक्षा 7वीं, आधार पब्लिक स्कूल) - | 99% |
| 5. जानवी सिंह (कक्षा 6टी, आधार पब्लिक स्कूल) - | 98.22% |
| 6. मानसी कुमारी (कक्षा 5वीं, गोल्ड माइन) - | 98.8% |

समारोह में सेवा समर्पण सम्मान 2025 भी समाजसेवियों को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विनोद सिंघल (रेडियंट स्टार इंग्लिश स्कूल), अनमोल रतन, अमित गुप्ता, दीपक चौधरी, रवि बघेल, पवन कुमार शर्मा, धर्मेन्द्र पाल सिंह (नीलु भाई), हनुमंत राम गांधी, लोकेश शास्त्री, विनोद

वाण्येय, सीलु ठाकुर, अरविन्द सिंह, लोगी ठाकुर, अन्ता प्रधान, योगेश कुमार, अमित गर्ग, रवी बघेल, नरेन्द्र कुमार वाण्येय, बनवारीलाल सेहनी, रवी कुमार गुप्ता सहित अनेक समाजसेवी मौजूद रहे।

संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने और समाज सेवा की भावना को प्रबल करने में मील का पत्थर साबित होते हैं।

ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ की बैठक में दोहराया गया धर्म राष्ट्र और समाज की रक्षा के प्रति समर्पण का संकल्प

वार्षिक समारोह, दीपावली-होली मिलन के साथ अधिवक्ता एवं 'शिक्षाविद समागम पर चर्चा हुई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। 'ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब' की रविवार को गोमती नगर में समीक्षा एवं कार्ययोजना की विशेष बैठक स्थानीय गोमती नगर हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण हेतु विशेष बोर्ड गठित किए जाने के निर्णय का स्वागत किया गया। सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए आभार जताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस निर्णय से नट, बंजारा, बावरिया, सांसी, कंजर, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियां देश की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगी। सदस्यों ने कहा, 'यह वह वीर जातियां हैं जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी।'।

समीक्षा एवं कार्ययोजना बैठक में इन विमुक्त जातियों के संरक्षण का भी कार्य ऊर्जस्वी कुटुम्ब का है, स्वीकारते हुए उनके सुख दुख और हितार्थ खड़े होने का भी संकल्प लिया गया। गत 23 अगस्त को सम्पन्न हुए 'ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब परिवार स्नेह मिलन, सहभोज एवं सम्मान समारोह' को



लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान भावी कार्ययोजनाओं, कार्यक्रमों, अभियानों एवं अनुष्ठानों आदि पर व्यापक चर्चा हुई। कुल 17 सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण और सारगर्भित विचार साझा किए।

कार्ययोजना बैठक में लिए गए 'संकल्प की सिद्धि' जल्द ही सबके सम्मुख होगी। सहभोज के साथ कार्ययोजना बैठक का विवरण हुआ। बैठक में जिन प्रस्तावों को सदन की स्वीकृति मिली उसमें वार्षिक समारोह प्रतिवर्ष 14 अगस्त को स्थापना दिवस के रूप में मनाए जाने, दीपोत्सव से पूर्व दीपावली मिलन का कार्यक्रम किए जाने, होलिकोत्सव के पश्चात

होली मिलन कार्यक्रम किए जाने, सभी 18 मंडलों में मंडल स्तरीय कार्यक्रम किए जाने के साथ ही जल्द लखनऊ में 'अधिवक्ता समागम-2025' एवं 'शिक्षा समागम-2025' आयोजित करने का प्रस्ताव शामिल है। समीक्षा एवं कार्ययोजना बैठक में वरिष्ठ पत्रकार पंकज कृष्ण सिंह, जितेंद्र प्रताप सिंह, हेमेंद्र प्रताप सिंह तोमर, अर्चना सिंह, विनीत सिंह बिसेन, शिव विजय सिंह, प्रदीप सिंह 'बब्बू', गौतम सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, शालिनी सिंह, रितेश सिंह, शैलेन्द्र सिंह, विनीत सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, अश्वनी सिंह एवं डॉ. अतुल मोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

दादी प्रकाशमणि की अठारहवीं पुण्यतिथि पर देशभर में विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन

● 70 हजार यूनिट रक्त दान हुआ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

माउंट आबू। दादी प्रकाशमणि की अठारहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी परिवार की ओर से देशभर में विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। जिनमें हजारों ब्रह्मा कुमार और ब्रह्माकुमारियों सहित अनेक भक्तों व जागरूक नागरिकों ने रक्तदान किया। माउंट आबू में आयोजित शिविर में पधारे सभी अतिथियों ने श्रद्धा भाव से दादी प्रकाशमणि के चित्र पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित कर उनकी स्मृति में अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद श्री शंकर लालवाणी ने कहा कि भले ही दादी प्रकाशमणि अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी प्रेरणा सदैव हमारे साथ है। उनका जीवन हमें सेवा, समर्पण और मानवता की असली मिसाल देता है। किसी की महाजना उसके द्वारा समाज और मानवता के लिए किए गए कार्यों से जानी जाती है। संपूर्ण डायमेट्रिक के निदेशक डॉ. साधना सोदानी ने कहा कि जीवन



में हर व्यक्ति कुछ न कुछ दान दे सकता है—कोई प्रेम, कोई मधुर वाणी, कोई विद्या, और यदि संभव हो तो रक्तदान। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि मरने से पहले रक्तदान करें और मरने के बाद नेत्रदान अवश्य करें। क्योंकि यही सच्ची मानवता और सेवा का संदेश है।

डॉ. नरेंद्र वर्मा ने साझा किया कि पहले केवल 60 वर्ष की आयु तक ही रक्तदान किया जा सकता था, लेकिन अब 65 वर्ष तक रक्तदान संभव है। इसका कारण यह है कि आज लोगों की जीवनशैली पहले के मुकाबले अधिक स्वस्थ और सशक्त हो गई है।

डॉ. दिनेश बिसेन ने कहा कि

रक्तदान महादान है। यदि रक्त बनने की प्रक्रिया को देखा जाए, तो यह न केवल शारीरिक बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जितने भी लोग समाज और मानवता की सेवा की ओर बढ़ते हैं, उनकी यह प्रक्रिया उन्हें आध्यात्मिक रूप से भी उन्नत करती है। ब्रह्माकुमारी सोमा ने कहा कि जब हम रक्तदान करते हैं, तो अनेकों को नया जीवन मिलता है। इससे बड़ी संतोष और खुशी की बात और क्या हो सकती है। उन्होंने साझा किया कि उन्होंने पहली बार रक्तदान किया है और इसे अनुभव कर वे अत्यंत प्रसन्न हैं। ब्रह्माकुमारी ललिताने उपस्थित सभी लोगों से अपील की कि वे भी

रक्तदान करें, क्योंकि इससे कई लोगों को नई जिंदगी मिलेगी।

इस अवसर पर कुल 200 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शिपी देसाई ने किया और मेडिकल विंग की जोनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी उषा ने सभी उपस्थित लोगों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

शिविर ने यह संदेश दिया कि जीवन में दान और सेवा से बड़ा कोई उपहार नहीं। दादी प्रकाशमणि की प्रेरणा आज भी लोगों के हृदय में जीवित है और उनके आदर्शों को अपनाकर हर व्यक्ति समाज और मानवता की सेवा में योगदान दे सकता है।



कौशल सिखौला (वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक)

तियानजिंग में मोदी और जिनपिंग की मुलाकात काफी सुखद मानी जा सकती है। उधर एक रास्ता धुंधला पड़ा तो एक बंद पड़ा रास्ता खुलने के आसार पैदा हो गए। बीच में पक्के दोस्त पुतिन हैं तो अच्छे की कामना कीजिए, चीन को लेकर ज्यादा अटकलें भी मत लगाइए। चीन 75 साल से दुश्मनी निभा रहा है, सब जानते हैं। लेकिन संबंध सुधरने शुरू हों तो सुधर भी जाते हैं। बस वक्त अच्छा आना चाहिए, बाल्मीकि को ऋषि बाल्मीकि बनते देर नहीं लगती। संसार में हृदय परिवर्तन के अनेक उदाहरण हैं। समय बिगड़ा तो एक जर्मनी दो टुकड़ों में बंट गया। सुधरा तो फिर से गले मिल गए। चीन शैतान जरूर है तो नया भारत सावधान भी कम नहीं। अमेरिका से हमारे संबंध कभी भी बढ़िया नहीं थे। पिछली बार ट्रंप आए तो मोदी और ट्रंप के बीच दांत काटी रोटी हो गई। मतलब जिगरी यारी। पिछली बार ट्रंप हर गए तो भारत को बहुत बुरा लगा था। लेकिन अपनी आदत के मुताबिक मोदी ने बायडेन को बोलतल में उतार लिया।

जिनपिंग चालाक और मक्कार हैं, सब जानते हैं। परन्तु बदले हालात में दोनों देश रूस के काम आ रहे हैं तो नजदीक आ रहे हैं। जरूरत हमारी है तो हाथ हमें बढ़ाना पड़ेगा। वर्ल्ड सिनैरियो बदल रहा है तो जिनपिंग को हाथ थामना पड़ेगा। आरआईसी नए हालात की मांग है अतः शंघाई सहयोग मिलन बैठक का महत्व काफी बढ़ गया है।

विश्व में चीन और रूस दूसरे तीसरे नंबर पर हैं। भारत चौथे नंबर पर है। तो नंबर 1 के मुकाबले नंबर 2, 3 और 4 सचमुच खुले दिल से साथ आ जाएं तो समझ लीजिए, अतीत के अनुभवों से हताश न हों। भारत सजग है, चौकन्ना है, एक उभरती शक्ति है। जाहिर है तियानजिंग से रिजल्ट आएंगे, आज नहीं तो कल।

इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी किसी से दुश्मनी नहीं चाही। कभी किसी की जमीन नहीं कब्जाई। सदा विश्ववन्धुत्व और वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश दिया। जब बगल में चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन बन गए तो खुद



विश्व में चीन और रूस दूसरे तीसरे नंबर पर हैं। भारत चौथे नंबर पर है। तो नंबर 1 के मुकाबले नंबर 2, 3 और 4 सचमुच खुले दिल से साथ आ जाएं तो समझ लीजिए, अतीत के अनुभवों से हताश न हों। भारत सजग है, चौकन्ना है, एक उभरती शक्ति है। जाहिर है तियानजिंग से रिजल्ट आएंगे, आज नहीं तो कल।

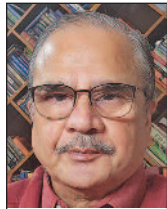
को उनके लिए तैयार किया, बराबरी और सुपरमैसी हासिल की। निहित स्वाधों और महाझूठ के चलते अमेरिका ने आँखें तरेरी तो विकल्प तो ढूँढेंगे ही। तियानजिंग में मिल गए विकल्प ?

पृथ्वी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा मंगल और पृथ्वी के बीच से गुजरने वाला धूमकेतु

मंगल और पृथ्वी के बीच से होकर भविष्य में गुजरने वाले अकल्पनीय आकार के धूमकेतु जैसी अंतरग्रहीय वस्तु को लेकर मानवता के विनाश की कल्पना से यदि आप भयभीत हैं तो मेरी इस व्याख्या को अवश्य पढ़िए। सबसे पहले तथ्य तो यह है कि यह वस्तु जो कुछ भी है विज्ञान के लिए एक नया अध्याय है और इससे मानवता को डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसका कारण में आगे स्पष्ट करूंगा।

खगोल भौतिकीविद मिचियो काकु ने हाल ही में इसी रहस्यमय अंतरतारकीय वस्तु जिसे 3आई/एटलस नाम दिया गया है, इस पर अपने विचार साझा किए हैं कि यह किसी भी धूमकेतु से कहीं अधिक अजीब वस्तु हो सकती है। करीब 150,000 मील प्रति घंटे की गति से हमारे सौर मंडल में घुस चुकी इस दिलचस्प वस्तु की खोज 1 जुलाई, 2025 को एटलस वैधशाला द्वारा की गई थी, और इसने पूरे वैज्ञानिक समुदाय को अर्चभित कर दिया था।

शुरू में 3आई/ATLAS को एक विशाल लंबे धूमकेतु के रूप में वर्गीकृत किया गया था, इसकी



अशोक कुमार शर्मा

असामान्य प्रक्षेपवक्र, गति और अकल्पनीय संरचना विशेषज्ञों को इसकी वास्तविक प्रकृति पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर रही है। इसे लेकर बहुत प्रकार की परिकल्पना की गई हैं। मैंने इनके आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कुछ चित्र भी तैयार किए हैं जिन्हें मैं इस पोस्ट के साथ शेयर कर रहा हूं।

आखिर क्या बात 3आई/एटलस को इतना अजीब बनाती है ? चलिए इस पर भी विचार करते हैं।

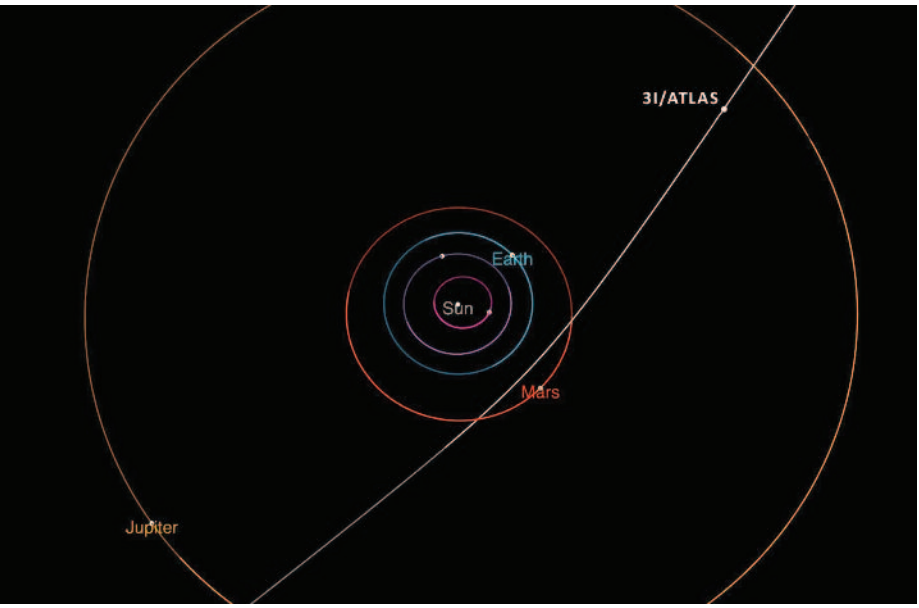
अधिकांश धूमकेतुओं के विपरीत, जो हमारे सौर मंडल के कुइपर बेल्ट या ओर्ट क्लाउड से आते हैं, 3आई/एटीएलएस इतने अकल्पनीय उच्च वेग से यात्रा कर

रहा है कि इसके हमारे सूर्य से गुरुत्वाकर्षण रूप गैस पर जरा भी असर नहीं पड़ रहा। यह अकल्पनीय धूमकेतु जैसा कोई बाहरी नक्षत्र मंडल से आया एक विराट विमान सा लगता है और जैसे गर्म छुरी मखन को काटते हुए निकल जाती है जो हमारे सौर पड़ोस से बहुत दूर गहरे अंतरिक्ष से आ रही है। इसका प्रक्षेपवक्र अभी तक धरती के वैज्ञानिकों को समझ में नहीं आया है। अभी वे यह ही माने बैठे हैं कि यह वस्तु मंगल और पृथ्वी के बीच मौजूद विराट खाली अंतरिक्ष से

होकर गुजर जाएगी। वैज्ञानिक आँकड़ों से भी यह कहा जा सकता है कि ऐसा ही होने वाला है। लेकिन इसका कारण हमें अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र अपनी दूरबीनों की नजरों को इस पर गड़ाए बैठे हैं।

वैज्ञानिकों ने नोट किया है कि 3आई/एटीएलएस विशिष्ट धूमकेतु व्यवहार से बिल्कुल भेद नहीं खाता है। इसकी संरचना, गति और रासायनिक संरचना कुछ अधिक अलौकिक चीज की ओर संकेत दे रही है।

जापानी वैज्ञानिक काकु ने बताया है कि इस बात की संभावना है कि यह वस्तु एक साधारण धूमकेतु से कहीं अधिक हो सकती है—शायद अंतरग्रहीय प्राणियों की उच्च तकनीक का एक टुकड़ा हो, जिसे



हमने अभी तक वर्गीकृत नहीं किया है। जिसे विज्ञान अभी तक पहचान नहीं पाया।

भविष्य के लिए इसका क्या अर्थ है ? यह भी समझ लीजिए। वास्तव में इससे डरने की जरूरत है या नहीं इस पर सोचने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसका कारण यह है कि यदि यह पृथ्वी के आसपास भी आ रही होती तब कोई संकट की स्थिति उत्पन्न

होगी। लेकिन यह तो पृथ्वी के वातावरण से भी दूर अंतरिक्ष से होकर गुजर जाएगी। इसलिए हम मानवों के लिए अभी तक तो कोई डरने की बात नहीं है।

यह बात और है कि यदि यह किसी अंतर ग्रह अंतरिक्ष विमान है, और उनकी योजना कुछ और है, तो उसे बिना समझे भी डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। लगभग डेढ़

लाख किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाला विमान बनाने की औकात हम मानवों की है ही नहीं। इसका सीधा मतलब यह है कि यदि यह कोई अंतरिक्ष विमान है और उसके भीतर कुछ लोग हैं, इस विमान की संरचना और आकर के अनुसार तो इस विमान की भीतर एक नगर के बराबर अंतरिक्ष यात्री बैठे होंगे। इतनी तेज गति से चलने के बावजूद

यह विमान जलता हुआ नहीं दिखता। इसकी चारों तरफ बर्फ की एक कोर नजर आती है।

इसके भीतर का भाग भी बर्फ जैसी किसी वस्तु का बना हुआ है। यह कोई साधारण सी बात नहीं है क्योंकि यदि डेढ़ लाख किलोमीटर की रफ्तार से चलने के बावजूद किसी अंतरिक्ष विमान के भीतर का हिस्सा बर्फ की कोर की भांति जमा हुआ है, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि इसके भीतर की संरचना हमारे द्वारा सोचे गए सभी इंजनों से भिन्न है।

सोचने और समझने वाली बात यह है कि विज्ञान केवल उसे ही नहीं कह सकते जिसे हम प्रमाण दे सकते हैं जिसका हमारे पास साक्ष्य है और जो हमारी समझ में आता है। भगवान समेत ऐसे अनेक विषय हैं जिनकी कोई वैज्ञानिक व्याख्या अथवा प्रमाण नहीं है परंतु मूर्ख लोग यही मानते हैं कि जिसे प्रमाणित न किया जा सके, वह असत्य है।

3आई/एटलस का सबक यही है कि हम जिस वस्तु का प्रमाण या जिस घटना के साक्ष्य नहीं दे सकते, वह भी एक ऐसा वैज्ञानिक सत्य हो सकती है, जो हमारे तमाम व्याख्याओं और समझ से परे हो।

बिना स्वयं की यात्रा के मनुष्य संसार में यायावर मात्र है: आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री



टिटनेस डिथीरिया टीका बीमारियों से बचाने के लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है : डॉ एससी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में पिछले तीन दिनों से टीडी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत लगभग 400 छात्रों को टीडी टीका लगाया गया। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मेन्द्र शर्मा के आदेशों के क्रम में विश्व टीकाकरण सप्ताह के सफल क्रियान्वयन के लिए 1 अगस्त से 31 अगस्त तक चलाई जाने वाले स्कूल आधारित टीडी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर राजेश शर्मा और जिला स्वास्थ्य टीम के द्वारा विद्यालय में लगभग 400 छात्रों का टीडी टीकाकरण किया गया विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल जी ने बताया कि छात्रों को स्वस्थ रहने और रखने के लिए ऐसे अभियान विद्यालय में समय-समय पर होते रहते हैं। टिटनेस डिथीरिया टीका



जो टिटनेस और डिथीरिया गलोगोदू नामक गंभीर बीमारियों से बचाता है यह टीका बीमारियों से बचने के लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। टिटनेस एक जानलेवा बैक्टीरिया से होने वाला संक्रमण है जो चोट या घाव से शरीर में प्रवेश करता है और मांसपेशियों में दर्दनाक ऐंठन पैदा कर सकता है जबकि डिथीरिया टीका स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं और हृदय, गुर्दे या तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। इन सब के बचाव के लिए लगभग 16 साल के 400 छात्रों को

यह टीका लगाया गया प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि अभी पिछले सप्ताह राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर विद्यालय में लगभग 3200 छात्रों को एल बेलदाजोल टैबलेट भी खिलाई गई थी जिससे उनके पेट में होने वाले कीड़ों से होने वाले संक्रमण को बचाया जा सके। इस अभियान को सफल बनाने में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह तेजपाल सिंह, संजीव चौधरी प्रवीण जैनर, गौरव त्यागी, राजीव जांगिड़ आदि का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल मोदीनगर के तत्वावधान में स्थानीय इंडियन चिली रेस्टोरेंट में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मंडल के प्रदेश अध्यक्ष व्यापारी हृदय सम्राट घनश्याम दास गर्ग व प्रदेश महासचिव तिलक राज अरोड़ा ने भाग लिया। सबसे पहले नगर व जिला कमेटी ने प्रदेश अध्यक्ष व उनके साथ पधारे प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों का माल्यार्पण व पटका पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश टेक्स बार एसोसिएशन में अपना स्थान रखने वाले अरुण राघव ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की व आशीष अरोड़ा के नेतृत्व में रुक्मणी मार्केट के व्यापारियों ने डॉक्टर महेश वैद्य व विपिन चौधरी के नेतृत्व में निवाड़ी रोड के व्यापारियों ने, गोपाल गौतम व सागर



गुप्ता के नेतृत्व में तथा अनुज त्यागी के नेतृत्व में हापुर रोड से दर्जनों व्यापारियों ने व्यापार मंडल की सदस्यता ली। नए सदस्यों को व्यापार मंडल से जोड़ने में मंडल प्रभारी प्रदीप

बोस, मेहराम चंदिला गया आकाश शर्मा का विशेष योगदान रहा। अपनी भाषण में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष गर्ग ने व्यापारियों के हित में किए जाने वाले कार्यों की सूची बताई तथा सभी नए

व्यापारी सदस्यों का मंडल में स्वागत किया तथा पटका व माला पहन कर जा सम्मानित किया। प्रदेश महासचिव तिलक अरोड़ा ने व्यापारियों का आवाहन करते हुए कहा कि सभी

व्यापारियों को संगठित व एकजुट होकर अपने सामने आनी वाली समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहिए।

मेरठ मंडल प्रभारी प्रदीप बोस ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल निस्वार्थ भाव से सभी व्यापारियों के हित की लड़ाई लड़ता आया है वह आगे भी लड़ता रहेगा। कार्यक्रम में व्यापारियों को उनके प्रमाण पत्र भी दिए गए।

इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री सुभाष धीमान प्रदेश उपाध्यक्ष स्वदेश जैन, विजय मलिक, महाराम चंदिला, डॉ अनुज अग्रवाल, नीरज गर्ग आकाश शर्मा, देवी शरण गर्ग, संजय शर्मा, पंकज मित्तल, संजीव अरोड़ा, हिमांशु सिंघल, अमित गुप्ता, दीपक, अमित गर्ग, परमिंदर चौधरी, राज कुमार ढींगरा, गौरव गुप्ता, नवीन अग्रवाल, रवि तोमर, आदि व्यापारी उपस्थित थे।

मोदी कॉलेज में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में शासन के आदेशों के अनुक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल के निर्देशन में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के छात्रों को खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करते हुए विद्यालय के खेल प्रशिक्षक राजीव



सिंह ने छात्रों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया और सभी को अपने जीवन में खेलों में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु

हॉफि ट इंडिया प्रतिज्ञा दिलायी एवं खेलों के माध्यम से स्वस्थ रहकर देश के विकास में योगदान देने हेतु प्रेरित किया और बताया कि खेलों के द्वारा

छात्रों में सकारात्मक सोच के विकास के साथ नई नई प्रतिभाओं का जन्म होता है जो आगे चलकर राष्ट्र के विकास में योगदान करती है।

डॉ.अरुण त्यागी को सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य के पुरस्कार से सम्मानित किया



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य शिक्षाविद डॉ. अरुण त्यागी को कर्नोजिया ग्रुप द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य के रूप में सम्मानित किया गया कर्नोजिया ग्रुप के अध्यक्ष मनोज कर्नोजिया ने कहा कि डॉ. अरुण त्यागी खेल, शिक्षा, लेखन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को

राष्ट्रीय ही अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलावा रहे हैं हमें उनके कार्यों व कार्य प्रणाली पर गर्व है उनके द्वारा राष्ट्रहित में किया जा रहे कार्य अपने आप में बेमिसाल है हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से छाया पब्लिक स्कूल को जो आशीर्वाद मिला उससे क्षेत्र का गौरव बढ़ा है इस अवसर पर कर्नोजिया ग्रुप की चेयरपर्सन अर्चना कर्नोजिया, प्रीति डायर, प्रीती मेहता, भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में शोध एवं स्किल्स कार्यक्रम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में सिस्टेमेटिक रिव्यू एवं मेटा-एनालिसिस विषय पर दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट एवं स्किल्स एनहैंसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कालेज के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेठ्टी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि सेंटर फॉर अलर्जी चाइल्डहुड कैरिज के प्रोफेसर एंड एचओडी डॉ. एम.एस. मुथु ने कहा कि सिस्टेमेटिक रिव्यू प्रमाणित चिकित्सा की आधारशिला है, जो शोध की गुणवत्ता और दिशा दोनों को मजबूती प्रदान करता है। पहले दिन प्रतिभागियों को सिस्टेमेटिक रिव्यू एवं मेटा-एनालिसिस की मूल अवधारणाओं, पीआईसीओ फ्रेमवर्क, डेटाबेस खोज, आलोचनात्मक मूल्यांकन के



उपकरणों तथा स्टैटिस्टिकल सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही हैंड्स-ऑन सेशन भी आयोजित हुए दूसरे दिन डॉ. मुथु ने शोध हेतु भारत सरकार द्वारा उपलब्ध वित्तपोषण एजेंसियों एवं आई.सी.एम.आर अनुदानों की जानकारी दी और कहा कि सरकार नवोदित शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित कर रही है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सभी ने नवीनतम ज्ञान उपलब्ध कराने हेतु आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया।

एसआरएमआईएसटी कैंपस में प्रेरणा दिवस मनाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएमआईएसटी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, गाजियाबाद (उ.प्र.) में 23 अगस्त 2025 को कुलाधिपति डॉ. टी. आर. पारिवेंद्र के जन्मदिवस के अवसर पर प्रेरणा दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दीपक सिंघवाल, आईएसएस (संयुक्त मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एंग्लो-ईस्टर्न शिप मैनेजमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के सहायक महाप्रबंधक (इजीनियरिंग कैडेट भर्ती) एवं मुख्य अभियंता ऋषि राज राणा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में पवित्रता और सकारात्मकता का संचार हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान किया गया और डीन प्रो. (डा.) विजयलक्ष्मी अयंगर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। निदेशक- एसआरएम आईएसटी दिल्ली-एनसीआर डॉ. एस.



विश्वनाथन, डीन-डॉ. आर. पी. महापात्रा ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद कैक काटकर आनंद साझा करने का विशेष क्षण उपस्थित जनसमूह के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

विशिष्ट अतिथि ऋषि राज राणा ने प्रेरक संबोधन दिया। मुख्य अतिथि दीपक सिंघवाल ने कहा कि प्रेरणा दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह प्रत्येक छात्र के लिए नई

दिशा और उत्साह का संचार करने का माध्यम है। इस अवसर पर अकादमिक एक्सर्सेलेंस अवार्ड 2025 प्रदान कर उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. ए. गीता भवानी के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम पर निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन, डीन डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन आईक्यूएसी डॉ. धीम्या भट्ट, डीन विज्ञान एवं मानविकी

डॉ. नवीन अहलावत, डीन एफएमएस, डॉ. विजयलक्ष्मी अयंगर तथा डीन रिसर्च डॉ. ए. गीता भवानी की उपस्थिति और मार्गदर्शन ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामयी बनाया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के उत्साह को नई उड़ान देने वाला सिद्ध हुआ, बल्कि इसने उन्हें यह विश्वास भी दिलाया कि सतत प्रयास और सकारात्मक सोच ही जीवन में सफलता की कुंजी है।

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाउबरे, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गुलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥ श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ ॥

रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।